दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-45, अंक 120
कोटद्वार शनिवार
26 अगस्त 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

तेलंगाना में भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 3.6 मापी गई तीव्रता

हैदराबाद , एजेंसी। तेलंगाना में शुक्रवार को तडके भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। वारंगल से 127 किलोमीटर पूर्व में आज तडके 4:43 पर महसूस किए गए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.6 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार भूकंप का केंद्र धरती की सतह से 30 किलोमीटर की गहराई में 18.04 अक्षांश और 80.80 देशांतर पर आया।

एनसीएस ने पोस्ट किया एक्स (पूर्व में ट्विटर) पोस्ट में कहा कि भारतीय समय के अनुसार तडके 4:43 पर महसूस किए गए भूकंप की तीव्रता 3.6 थी। इसका केंद्र धरती की सतह से 30 किमी की गहराई में 18.04 अक्षांश और 80.80 देशांतर में वारंगल, तेलंगाना से 127 किमी पूर्व में था। भूकंप के कारण किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत नहीं आएंगे पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत नहीं जाएंगे। रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शुक्रवार को यहां मीडिया को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पुतिन भारत में सितंबर में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के लिए यात्रा की योजना नहीं बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस समय मुख्य जोर विशेष सैन्य अभियान पर है। जी-20 शिखर सम्मेलन नौ और 10 सितंबर को नई दिल्ली में प्रगति मैदान में नवनिर्मित भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि श्री पुतिन दक्षिण अफ्रीका के शहर जोहान्सबर्ग में संपन्न हुए ब्रिक्स के 15वें शिखर-सम्मेलन में भी भाग लेने नहीं गए थे।

राहुल गांधी कहीं से भी चुनाव लड़ सकते हैं, लेकिन...' अजय राय के बयान पर क्या बोलीं स्मृति ईरानी?

अमेठी, एजेंसी। राहुल गांधी के अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की संभावना पर यूपी कांग्रेस प्रमुख अजय राय के बयान पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की प्रतिक्रिया सामने आई है।

स्मृति ईरानी ने कहा, लोकतंत्र में हर किसी को अधिकार है, वह (राहुल) कहीं से भी चुनाव लड़ सकते हैं, लेकिन सवाल यह है कि गांधी परिवार ने हमेशा से ही अमेठी में मोदी-योगी सरकार का विरोध किया है... क्या वे (गांधी परिवार) ऐसा सोचते हैं सिर्फ एक परिवार का नाम चमकाने के लिए इस सरकार को छोड़ देगी अमेठी?

बता दें, कांग्रेस ने अजय राय को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी है। यूपी अध्यक्ष बनने के बाद ही अजय राय ने दावा करते हुए कहा था कि राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का परचम लहराएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि प्रियंका गांधी की जहां से इच्छा होगी वहां से चुनाव लड़ाएंगे। आगे उन्होंने कहा अगर प्रियंका गांधी की इच्छा बनारस से चुनाव लड़ने की होगी तो कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता जान लगा देगा।

यूनान से अपने रिश्तों को रणनीतिक भागीदारी का रूप देगा भारत, व्यापार को डबल करने का लक्ष्य-पीएम

एथेंस, एजेंसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक-दिवसीय यूनान यात्रा के दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक भागीदारी' के स्तर पर ले जाने का निर्णय किया है और रक्षा, उत्पादन तथा आतंकवाद और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के निश्चय के साथ 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है।

श्री मोदी ने यहां प्रधानमंत्री किरियाकोस मिचोताकिस के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री किरियाकोस मिचोताकिस और मैंने आज भारत-यूनान भागीदारी को रणनीतिक भागीदारी के स्तर पर ले जाने का निर्णय किया है। श्री मोदी दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद, आज ही यहां आए। वह प्रधानमंत्री श्री मिचोताकिस के निमंत्रण पर एथेंस की यात्रा पर हैं। वर्ष 1983 के बाद भारत का कोई प्रधानमंत्री पहली बार यूनान की यात्रा पर आया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और यूनान ने अवसंरचना, कृषि, शिक्षा नयी एवं उभरती प्रौद्योगिकी तथा कौशल विकास के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाकर अपनी रणनीतिक भागीदारी को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने भारत और यूनान रक्षा तथा सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ रक्षा उद्योग के क्षेत्र में भी परस्पर सहयोग बढ़ाने पर बल दिया है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत, यूनान क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर एक-दूसरे की भावनाओं को समझते हैं और आदर करते हैं। उन्होंने बताया कि यूनान के प्रधानमंत्री के साथ उनकी बातचीत में आतंकवाद और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुयी है। सुबह एथेंस पहुंचने पर प्रधानमंत्री श्री मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया और उन्होंने 'अज्ञात सैनिकों के स्मारक पर श्रद्धांजलि' अर्पित की। इसके बाद, उन्होंने मेजबान प्रधानमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में भाग लिया। दोनों प्रधानमंत्री आज ही दिन में दोनों देशों के व्यवसायियों की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे हैं।

गौरीकुंड: हादसे में लापता 15 लोगों में से दो और शव मंदाकिनी नदी से बरामद

रूद्रप्रयाग, एजेंसी। गौरीकुंड भूस्खलन हादसे में लापता 15 लोगों में दो और लोगों के शव रामपुर के समीप मंदाकिनी नदी से बरामद किए गए। इस दौरान एक शव की शिनाख्त कर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया है। वहीं, दूसरे शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। शेष 13 लोगों की खोजबीन के लिए रेस्क्यू किया जा रहा है।

बता दें कि बीते तीन अगस्त की रात गौरीकुंड डाटपुल के समीप भारी भूस्खलन होने से तीन दुकानें बह गईं थी। इसके बाद हादसे में लापता 23 लोगों में अभी तक 10 के शव बरामद किए जा चुके हैं।

शुक्रवार को जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार के नेतृत्व में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस व होमगार्ड के जवान रेस्क्यू में जुटे रहे। इस दौरान मुनकटिया के समीप मंदाकिनी नदी के किनारे से रेस्क्यू दल को एक शव मिला।

शव की शिनाख्त 26 वर्षीय चंद्रकामी, निवासी नेपाल के रूप में की गई। वहीं, एक अन्य शव रामपुर में जीएमवीएन विश्राम गृह के ठीक नीचे नदी किनारे से मिला, जिसकी अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि शव काफी गले हुए हैं। जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि हादसे के बाद से केदारघाटी में आए दिन हो रही बारिश से मंदाकिनी नदी का जलस्तर काफी बढ़ा है, जिस कारण रेस्क्यू में दिक्कत आ रही है। बावजूद, लापता लोगों की खोजबीन के लिए हरसंभव प्रयास हो रहे हैं।

मनी लांड्रिंग केसः ईडी का समन रद्द करने की गुहार लेकर सुको पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

नई दिल्ली, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मनी लांड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन को शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देते हुए उसे रद्द करने की गुहार लगाई। श्री सोरेन ने अपनी याचिका में ईडी पर आरोप लगाते हुए कहा है कि यह समन उनकी छवि, लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई झारखंड सरकार और वहां के लोगों की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास है।उन्होंने अन्य प्रार्थनाओं के अलावा मनी लांड्रिंग मामले में उनके खिलाफ जारी समन को रद्द करने की मांग की। ईडी ने श्री सोरेन को मनी लांड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए दो बार बुलाया था, लेकिन वह नहीं पहुंचे। ईडी राज्य में मनी लांड्रिंग के दो बड़े मामलों की जांच कर रही है। पहला मामला राज्य में अवैध खनन से जुड़ा है। एजेंसी ने पिछले साल 17 नवंबर को खनन मामले में श्री सोरेन से पूछताछ की थी। दूसरा मामला राज्य की राजधानी रांची में कथित भूमि घोटाले से संबंधित है।कथित जमीन के मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी सी रंजन और दो व्यापारियों सहित तेरह लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए श्री सोरेन को 14 अगस्त को रांची स्थित अपने क्षेत्रीय कार्यालय में बुलाया था। तब उन्होंने इसे 'राजनीति से प्रेरित' मामला बताते हुए ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए थे। उन्होंने समन पर सवाल उठाया था और एजेंसी से इसे वापस लेने को कहा था। एजेंसी ने हालांकि श्री सोरेन के दावों को खारिज कर दिया था और दूसरा समन जारी कर एजेंसी के समक्ष पेश होने को कहा था।

चार दिन बाद खुला कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग, लोगों ने ली राहत की सांस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पिछले चार दिन से बंद पड़ा कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग आखिर शुक्रवार दोपहर को वाहनों की आवाजाही के लिए खुल ही गया। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग लगातार मार्ग खोलने के प्रयासों में जुटा हुआ था।

मार्ग पर आए भारी मलबे व बोल्डर को साफ करना विभाग के लिए एक चुनौती बन गई थी। राष्ट्रीय राजमार्ग खुलने के बाद लोगों ने काफी राहत की सांस ली।

मलबा व बोल्डर आने के कारण मंगलवार से बंद पड़ा था राष्ट्रीय राजमार्ग

मंगलवार को हुई अतिवृष्टि से कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग पांच से अधिक स्थानों पर मलबा व बोल्डर आने से बंद हो गया था। पिछले चार दिन से राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग लगातार मलबा व बोल्डर साफ करने में जुटा हुआ था। लेकिन, भारी मलबे व बोल्डर को हटाना राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के लिए एक चुनौती बनती जा रही थी। मार्ग बंद होने के कारण कोटद्वार से पहाड़ का संपर्क पूरी तरह बंद हो गया था। सबसे बुरी स्थिति आमसौड़ से करीब एक किलोमीटर पीछे बनी हुई थी। मलबा व बोल्डर हटाने के बाद भी पहाड़ी दरककर नीचे की ओर आ रही थी।

राष्ट्रीय राजमार्ग खुलने के बाद कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य आवाजाही करते वाहन

खोजना होगा विकल्प

वर्षाकाल में राष्ट्रीय राजमार्ग पूरी तरह बदहाल हो चुका है। राष्ट्रीय राजमार्ग को पोकलैंड मशीन से पहाड़ काटकर मार्ग बनाना पड़ा। चार दिन तक राष्ट्रीय राजमार्ग बंद होने से पर्वतीय क्षेत्रों में भी कई समस्याएं होने लगी थी। कोटद्वार से दुगड्डा तक बदहाल राष्ट्रीय राजमार्ग वाहन चालकों को डरा रहा है। आने वाले समय में राष्ट्रीय राजमार्ग की हालत को सुधारना भी एक चुनौती बन सकती है। ऐसे में वर्षाकाल में भी पहाड़ का संपर्क मैदान से न टूटे इसके लिए बेहतर यातायात के विकल्प खोजने होंगे।

शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे मार्ग को वाहनों की आवाजाही के लिए पूर्ण रूप से खोला गया। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग से बड़ी संख्या में फंसे वाहन आवाजाही करते हुए दिखाई दिए।

रिहाई पर उठे सवालः 12 साल से अमरमणि त्रिपाठी अस्पताल में

फिर किस बात की दया याचिका, क्या थी बीमारी?

लखनऊ, एजेंसी। कवयित्री मधुमिता शुक्ला की बहन निधि शुक्ला ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद कहा कि अमरमणि के रिहा होने से उनके पूरे परिवार की जान को खतरा है। मैं सालों से इंसाफ के लिए दर-दर भटक रही हूं लेकिन आज तक न्याय नहीं मिला। जो व्यक्ति बीते 12 साल से जेल की जगह अस्पताल में है, उसे दया याचिका पर रिहा कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अदालतों द्वारा अमरमणि और उनकी पत्नी को उम्रकैद की सजा बरकरार रखने के बावजूद कोई भी सरकार उन्हें जेल में नहीं रख पाई।

बता दें कि निधि शुक्ला अपनी बहन की हत्या होने के

बाद लगातार इंसाफ पाने के लिए जूझ रही हैं। अमरमणि और उनकी पत्नी को सजा दिलाने के लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई जारी रखी। उनकी दया याचिका पर रिहाई के आदेश को भी उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में अपनी याचिका पर हुई सुनवाई के बाद उन्होंने कहा कि रिहाई का आदेश 24 अगस्त की देर रात जल्दबाजी में जारी किया गया, जबकि उन्होंने रिहाई पर विचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर रखी थी।

इस याचिका पर आज सुनवाई होनी थी। निधि ने कहा कि उनके अच्छे आचरण के कारण उन्हें जेल की सजा पूरी होने से पहले जल्दी रिहाई कैसे दी जा सकती है, जबकि उन्होंने बिना किसी वास्तविक बीमारी के गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती रहते हुए जेल की सजा का एक बड़ा समय बिताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमरमणि और मधुमणि ने समयपूर्व रिहाई पाने के लिए अधिकारियों को गुमराह किया है। उनको एक आरटीआई जवाब में बताया गया है कि अमरमणि और मधुमणि 2012 से 2023 तक लगातार बीआरडी मेडिकल कॉलेज के निजी वार्ड में भर्ती थे। उनके लिए अस्पताल में सारी सुविधाएं उपलब्ध थी। अस्पताल के एक निजी कमरे में दिन बिताने को जेल की सजा कैसे माना जा सकता है? उन्हें ऐसी कोई गंभीर बीमारी भी नहीं थी। मैंने अमरमणि द्वारा पेश किए गए झूठे तथ्यों को उजागर करने के लिए राज्यपाल, मुख्यमंत्री और आलाधिकारियों को ई-मेल और फोन के जरिए जानकारी भी दी थी।

मणिपुर हिंसा: सुप्रीम कोर्ट ने 21 सीबीआई मामले असम स्थानांतरित किए

हाई कोर्ट के नामित न्यायाधीश करेंगे सुनवाई

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने मणिपुर हिंसा मामले में निष्पक्ष सुनवाई के मद्देनजर पीड़ितों और गवाह की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की जा रही 21 मामलों की जांच असम में नामित न्यायाधीशों के एक समूह को स्थानांतरित का शुक्रवार को आदेश दिया।मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल दहलाने वाली मणिपुर हिंसक घटनाओं बाद दायर की गई याचिकाओं की सुनवाई के बाद अंतरिम आदेश पारित किया।पीठ ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय से अनुरोध है किया है कि ऐसे न्यायाधीशों का चयन किया जाए जो मणिपुर में प्रचलित एक से अधिक भाषाओं में पारंगत हों। साथ ही, यह भी निर्देश दिया कि मणिपुर में जहां नामित स्थानीय मजिस्ट्रेट स्थित हैं, वहां इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पीठ के समक्ष कहा कि हम मणिपुर में इंटरनेट कनेक्टिविटी का ध्यान रखेंगे और इसे राज्य में बहाल किया जाएगा।

अदालत ने सॉलिसिटर जनरल की इन दलीलों को भी रिकॉर्ड में लिया। शीर्ष अदालत इस मामले में अगली सुनवाई एक सितंबर को करेगी।न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने पीठ की अध्यक्षता करते हुए कहा, मौजूदा चरण में मणिपुर में समग्र माहौल को ध्यान में रखते हुए और आपराधिक न्याय प्रशासन की निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए हम गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से एक या अधिक न्यायिक अधिकारियों को नामित करने का अनुरोध करते हैं।शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि आरोपी की पेशी, रिमांड, न्यायिक हिरासत, हिरासत की अवधि में विस्तार और जांच के संबंध में अन्य कार्यवाहियों के सभी आवेदनों को दूरी और सुरक्षा मुद्दों को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन मोड में आयोजित करने की अनुमति दी जाती है।

देव भाषा संस्कृत के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सीएम धामी ने दिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने देव भाषा संस्कृत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिये विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि देवभूमि उत्तराखण्ड में संस्कृत-भाषा के विकास में समेकित प्रयास हो। संस्कृत अकादमी द्वारा इस दिशा में किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने इस दिशा में और अधिक प्रयासों की भी जरूरत बतायी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड संस्कृत भाषा के विकास में भी अग्रणी राज्य बने इसके लिये नवाचार के प्रति ध्यान देना होगा। इसके लिये धनराशि की कमी नहीं होने दी जायेगी।

शुक्रवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड संस्कृत आकदमी की सामान्य समिति की 09वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने संस्कृत भाषा को बढावा देने में विज्ञान एवं तकनीकि का भी सहयोग लेने पर बल देते कहा कि व्याकरण से सिद्ध भाषा संस्कृत कम्प्यूटर के लिये भी उपयुक्त मानी गई है। उन्होंने कहा कि देवभूमि

के कारण हमारी पहचान है। संस्कृत हमारे परिवेष से जुडी भाषा है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भाषाओं की जननी संस्कृत को बढ़ावा देना भी हम सबकी जिम्मेदारी है। ताकि इससे हमारी प्राचीन संस्कृति के संरक्षण के साथ ही संस्कृत भाषा के प्रति युवाओं का रूझान बढ़ सके। उन्होंने कहा कि जनपद स्तर पर संस्कृत ग्रामों की स्थापना पर ध्यान दिया जाय। उन्होंने संस्कृत भाषा, वेद, पुराणों एवं लिपियों पर शोध कार्य पर अधिक ध्यान देने की जरूरत बताते हुये कहा कि युवाओं को संस्कृत की अच्छी जानकारी हो, समाज तक इसका व्यापक प्रभाव हो तथा इसके लिए संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के साथ ही इस क्षेत्र में शोध कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाय। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए अन्य राज्यों द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं उनकी बेस्ट प्रैक्टिसेज का भी अध्ययन किया जाय।

कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की सहमति से संस्कृत विद्यालयों के छात्रों को भी मुख्यमंत्री छात्रवृति योजना का लाभ दिया जायेगा। साथ ही शोध कार्यों के लिये भी संस्कृत विश्वविद्यालयों के छात्रों को धनराशि उपलब्ध करायी जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अधिक से अधिक लोगों को संस्कृत शिक्षा का ज्ञान हो इसके प्रयास किये जायेगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भव्य संस्कृत ज्ञानकुंभ का भी आयोजन किया जायेगा। जिसमें सभी विश्वविद्यालयों की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी।

बैठक में कुलपति पतंजलि योगपीठ हरिद्वार आचार्य बालकृष्ण ने लोगों में संस्कृत को बढावा देने के प्रयासों के तहत असम की भांति लोकगीतों को संस्कृत में तैयार किये जाने तथा प्रमुख स्थलों पर संस्कृत में साइन बोर्ड लगाये जाने की बात कही। इससे यहां आने वालों को देवभूमि की अनुभूति होगी। अधिक से अधिक युवा संस्कृत में पी.एच.डी. करें इस दिशा में भी पहल का उन्होंने सुझाव व सहयोग की बात कही। उन्होंने कहा कि पतंजलि योगपीठ के सहयोग से एक घंटे का संस्कृत कार्यक्रम चैनल पर संचालित किये जाने के प्रयास किये जायेंगे।

निदेशक प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान एवं सचिव हिन्दी एवं गढ़वाली कुमाऊँनी, जौनसारी अकादमी नई दिल्ली डॉ. जीतराम भट्ट का सुझाव था कि राज्य के परंपरागत लोकगीतों का संस्कृत संस्मरण उसी तर्ज पर तैयार किये जाय। उन्होंने अन्य राज्यों की अकादमियों से समन्वय तथा कर्मकाण्ड एवं संस्कार की कक्षाओं के संचालन तथा प्रेक्टिकल पर ध्यान देने की बात रखी।

ग्राम चौपाल में ग्रामीणों ने दर्ज कराई 14 शिकायतें

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : ''सरकार जनता के द्वार'' कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी के निर्देशन में शुक्रवार को विकासखंड अगस्त्यमुनि के अंतर्गत ग्राम ग्वेफड़ में सूचना अधिकारी रती लाल शाह की अध्यक्षता में पंचायत भवन में ''ग्राम चैपाल कार्यक्रम'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों द्वारा 14 समस्याएं दर्ज कराई गई जिसमें 04 समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया, जबकि शेष समस्याओं के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत ग्राम चैपाल कार्यक्रम में ग्रामीणों द्वारा विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया। ग्रामीणों द्वारा क्षेत्र में जंगली जानवरों एवं बंदरों के आतंक से फसलों को किए जा रहे नुकसान के लिए उचित व्यवस्था या घेरबाड़ करने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में नेटवर्क की काफी समस्या है, जिसके लिए उन्होंने नेटवर्क व्यवस्था को दुरस्त करने की मांग की गई। ग्राम वासियों द्वारा प्रधानमंत्री आवास की मांग की गई। ग्रामीणों का कहना है कि 07 लोगों का वर्ष 2015-16 से प्रतीक्षा सूची में नाम दर्ज है किन्तु अभी तक किसी को भी आवास उपलब्ध नहीं हो पाया है। इस अवसर पर सूचना अधिकारी रती लाल शाह ने कहा कि सरकार द्वारा कई महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित हो रही हैं। महिलाओं की आर्थिकी को मजबूत करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना का शुभारंभ किया गया है। जिसमें महिला समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए उनके लिए अच्छे मार्केटिंग की व्यवस्था पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी ग्रामीण अपने अनुभव एवं दक्षता के अनुरूप योजना का चयन कर स्वरोजगार के क्षेत्र में अपना रोजगार शुरू कर सकते हैं, जिससे वह अपनी आर्थिकी को मजबूत कर आत्मनिर्भर हो सकते हैं। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया है कि उनके द्वारा जो भी समस्याएं दर्ज कराई गई हैं उनका संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक कार्यवाही करवाई जाएगी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान ग्वेफड़ लीला सिंह, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी सुश्री संतोषी नेगी, सहायक कृषि अधिकारी अरविंद, ग्राम रोजगार सेवक दिनेश रावत, आंगनवाड़ी कार्यकत्री कलावती देवी सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

सीएम धामी ने की पद्मविभूषण, तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज जी से भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को देहरादून में पद्मविभूषण, तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज जी से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

सृष्टि लखेड़ा ने किया ऋषिनगरी का नाम रोशन, मेयर ने दी बधाई

ऋषिकेश। राष्ट्रीय फिल्म पुरुस्कार में सर्वश्रेष्ठ गैर फीचर फिल्म के लिए चुने जाने पर ऋषिकेश की बेटी सृष्टि लखेड़ा ने देश और दुनिया में तीर्थनगरी का नाम रोशन किया है। सृष्टि की उपलब्धि पर मेयर अनिता ममगाईं ने उनके आवास पर पहुंचकर उनके पिता शहर के विख्यात बाल रोग विशेषज्ञ डा. केएन लखेड़ा समेत पारिवारिक सदस्यों को बधाई दी।

मेयर ने सृष्टि के पिता डा. केएन लखेड़ा की भी मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि परिवार से मिले संस्कारों की भी बच्चों की उपल्बधियों में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। डा.लखेड़ा स्वयं हल चलाकर उत्तराखंड की मिट्टी से जुड़ाव का संदेश देते रहे हैं। उनसे मिले संस्कारों ने भी सृष्टि की कामयाबी में प्रेरक की भूमिका निभाई है, जिसकी बदौलत वह एक बेहद कुशल निर्देशक के रूप में अपनी छाप छोड़ने में कामयाब हो सकी।

ऋषिकेश की बेटियां हर क्षेत्र में सफलता के सोपान तय कर देश ओर दुनिया में योगनगरी का नाम रोशन कर रही हैं। सृष्टि द्वारा निर्देशित एक था गांव का सर्वश्रेष्ठ गैर फीचर फिल्म के लिए चुना जाना एक बड़ी उपलब्धि है, जिस पर हम सबको नाज है। कहा कि हर उत्तराखंडी को अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संजोने एवं सहेजने के लिए कुछ माह में अपने गांव में जरूर रहने आना चाहिए। सृष्टि द्वारा निर्देशित हिंदी एवं गढ़वाली भाषा में बनी ये फिल्म पहाड़ से पलायन को खत्म करने में निश्चित ही मील का पत्थर साबित होगी। मौके पर पार्षद अनिता रैना, विजय बडोनी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष पंकज शर्मा, राजकुमारी जुगलान, मण्डल महामंत्री ऋषिकेश पवन शर्मा, मंडल महामंत्री वीरभद्र गौरव कैन्थोला, चेतन चौहान, कमला गुनसोला, विजयलक्ष्मी शर्मा आदि मौजूद रहे।

सरकार की शराब नीति पर संतों ने जताया विरोध

ऋषिकेश। संतों ने सरकार की शराब नीति को लेकर विरोध जताया है। वे देवभूमि में जगह–जगह बिक रही शराब, गौ हत्या, आश्रमों की भूमि पर कब्जे सहित अन्य मामलों से नाराज हैं। उन्होंने इन समस्याओं को लेकर जल्द ही सीएम से मुलाकात करने का निर्णय लिया। शुक्रवार को भगवान आश्रम में अखिल भारतीय संत समिति एवं विरक्त वैष्णव मंडल समिति ने बैठक की। जिसमें विरक्त वैष्णव मंडल समिति के अध्यक्ष स्वामी दयाराम दास ने कहा कि उत्तराखंड के तमाम शहरों और कस्बो में खोली जा रही शराब की दुकानों के कारण देवभूमि की गरिमा दूषित हो रही है।

सीएम धामी ने की शहीद मेजर दुर्गा मल्ल को श्रद्धांजलि अर्पित

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को गढ़ी कैंट स्थित शहीद दुर्गा मल्ल पार्क में आजाद हिंद फौज के शहीद मेजर दुर्गा मल्ल की प्रतिमा एवं चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले गोरखा समुदाय के लोगों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्प आयु में ही मेजर दुर्गा मल्ल ने देश की रक्षा के लिए अपने सभी सुख, सुविधाओं को त्याग कर अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ने का जो दृढ़ साहस दिखाया था, उसे हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्र प्रथम की भावना से प्रेरित होकर अपना सर्वस्व देश को अर्पण कर दिया। 1931 में दुर्गा मल्ल जी गोरखा राइफल्स में भर्ती हुए और यहीं से उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध में भी हिस्सा लिया। 1942 में वे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के आह्वान पर आजाद हिन्द फौज में भर्ती हो गये। 27 मार्च 1944 में अंग्रेज सैनिकों द्वारा दुर्गा मल्ल जी को युद्धबंदी बना लिया गया और सैनिक अदालत द्वारा उन्हें फांसी पर चढ़ाने का हुक्म दिया गया। 25 अगस्त 1944 को दिल्ली की तिहाड़ जेल में स्वाधीनता के इस दीवाने ने हंसते हंसते फांसी का फन्दा अपने गले में स्वीकार किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि एवं वीरों की भूमि है, बलिदानियों की भूमि है। यह बात हमारे सैनिकों ने आज तक हुए सभी युद्धों में सिद्ध भी की है।

एक नजर

''सरकार जनता के द्वार'' कार्यक्रम 30 अगस्त को

जयन्त प्रतिनिधि।रूद्रप्रयाग : विकास खंड जखोली के बधाणी गांव में जिला विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आगामी 30 अगस्त को ''सरकार जनता के द्वार'' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। बैठक में ग्रामीणों की समस्याओं का निस्तारण करने के साथ ही शासन द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से ग्रामीणों को अवगत कराया जाएगा।उक्त आशय की जानकारी देते हुए जिला विकास अधिकारी अनिता पंवार ने बताया कि ''सरकार जनता के द्वार'' कार्यक्रम के तहत 30 अगस्त (बुधवार) को प्रातः 11 बजे से दूरस्थ ग्राम बधाणी में ''सरकार जनता के द्वार'' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बैठक में क्षेत्रीय जनता की समस्याओं का निदान कर शासन द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से ग्रामीणों को अवगत कराया जाएगा।

किशोरी के अपहरण मामले में मुकदमा दर्ज

विकासनगर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेलाकुई क्षेत्र में किराये के मकान में रह रहे शाहजहांपुर यूपी निवासी एक व्यक्ति की 17 वर्षीय नाबालिग बेटी अचानक घर से लापता हो गयी। जिसके बाद से बेटी न तो वापस घर लौटी और नहीं उसका कोई पता चल पाया। पीड़ित व्यक्ति ने इस मामले में पुलिस को तहरीर दी। जिस पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है। सेलाकुई की एक कंपनी के कामगार ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि वह सेलाकुई क्षेत्र में एक अपने परिवार के साथ किराये के मकान पर रहता है। बताया कि वह मूलरूप से शाहजहांपुर यूपी का रहने वाला है। बताया कि 23 अगस्त को उसकी 17 वर्षीय बेटी घर से बिना किसी को कुछ बताये अचानक घर से चली गयी, जिसके बाद बेटी वापस नहीं लौटी। अपने यूपी स्थित गांव से लेकर तमाम रिश्तेदारों और नातेदारों के यहां पता करने के बाद भी बेटी का कोई पता नहीं चल पाया है।

सीएम धामी ने किया स्टेट ऑफ द स्टेट — उत्तराखण्ड फर्स्ट कार्यक्रम को संबोधित

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को आईएसबीटी, देहरादून के निकट एक होटल में आयोजित स्टेट ऑफ द स्टेट – उत्तराखण्ड फर्स्ट कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार हर क्षेत्र में कार्य कर रही है। महिला सशक्तिकरण, रोजगार, वेलनेस, आयुर्वेद, आयुष, पर्यटन, इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास, औद्यानिकी के क्षेत्र में तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बाबा केदार की धरती से कहा कि इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा। इस दशक को उत्तराखण्ड का दशक बनाने की दिशा में सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है। 2025 तक उत्तराखण्ड को देश का अग्रणी राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य में समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट लगभग तैयार हो चुका है। समिति ने विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 01 साल 03 माह में 02 लाख 35 हजार से अधिक लोगों के इसके लिए सुझाव लिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उत्तराखण्ड में हर स्थान एक नया डेस्टिनेशन है। राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में प्रबल संभावनाओं को देखते हुए अगले 25 सालों के प्लान पर कार्य किया जा रहा है।

प्रादेशिक सेना में निकली भर्ती

देहरादून। 127 प्रादेशिक सेना (टेरिटोरियल आर्मी) पर्यावरण बल, गढ़वाल राइफल्स में अक्तूबर से 12 अक्तूबर तक नए भर्ती की जाएगी। इसमें भूतपूर्व सैनिकों, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राज्य वन विभाग की भूतपूर्व महिला कर्मचारी हिस्सा ले सकेंगी। इस राज्य सैन्य बल के कर्नल रोहित श्रीवास्तव ने बताया कि योग्य अभ्यार्थी दस्तावेजों के साथ नौ अक्तूबर को सुबह छह बजे शारीरिक मापदण्ड परीक्षण और मेडिकल परीक्षण के लिए पहुंचे। भूतपूर्व सैनिको (उत्तर–ाखण्ड के मूल निवासी) व पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राज्य वन विभाग के भूतपूर्व महिला कर्मचारी के लिये सिपाही जनरल ड्यूटी 106 पद, सिपाही रसोईया एक पद और सिपाही बढई एक पर भर्ती होगी। भूतपूर्व सैनिकों जो पेंशन पा रहे हैं भर्ती में शामिल होने के लिए रिटायर हुए 5 साल से ज्यादा नही होने चाहिए। जवान की नौकरी करने की अधिकतम आयु सीमा 50 वर्ष निर्धारित की गयी है। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राज्य वन विभाग की वही भूतपूर्व महिला कर्मचारी शामिल हो सकती है,

शहीद दुर्गा मल्ल की 79वीं पुण्यतिथि पर हुआ कार्यक्रम

ऋषिकेश। हेल्प ऋस ट्रस्ट और वीर गोरखा कल्याण समिति ने शहीद दुर्गा मल्ल की 79वीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में शहीद को श्रद्धांजलि दी गई। वक्ताओं ने शहीद दुर्गा मल्ल से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। शुक्रवार को नगर पालिका डोईवाला परिसर में हेल्प ऋस ट्रस्ट एवं वीर गोरखा कल्याण समिति ने शहीद मेजर दुर्गा मल्ल के बलिदान पर कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद नगर पालिका परिसर से शहीद मेजर दुर्गा मल्ल चौक तक जुलूस निकाला गया और वहां लगी नवनिर्मित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। हेल्प ऋस ट्रस्ट के संस्थापक सचिव विशाल थापा ने शहीद दुर्गा मल्ल के जीवने बारे में बताया। कहा कि भारत माता के सभी शहीदों को ससम्मान चिन्हित किया जाना चाहिए व उनके बलिदानों को सदैव स्मरण रखना चाहिए।

वीर गोरखा कल्याण समिति के अध्यक्ष कमल थापा ने कहा कि अमर शहीद मेजर दुर्गा मल्ल ने इस क्षेत्र की धरती पर जन्म लेकर हमें गौरवान्वित किया। हमें इस महान बलिदानी के त्याग को हमेशा स्मरण करते रहना चाहिए। उन्होंने जौलीग्रांट एयरपोर्ट का नाम बदलकर शहीद मेजर दुर्गा मल्ल के नाम पर करने की मांग की। मौके पर पालिकाध्यक्ष सुमित्रा मनवाल, अजय रावत, टेक बहादुर, पिंटू राणा, मीम बहादुर, उमेश, ज्योति राणा, चंद्रकला भंडारी, दिल बहादुर खत्री आदि उपस्थित रहे।

ऋषिकेश की पुरानी सीवर लाइनों को बदला जाए

ऋषिकेश। पुरानी और कम चौड़ी सीवर लाइनों के चलते आए दिन नगर के विभिन्न क्षेत्रों में समस्याएं हो रही है। ऐसे में इन सीवर लाइनों को बदलकर इनके स्थान पर चौड़ी सीवर लाइन बिछाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। शुक्रवार को आशुतोषनगर स्थित परियोजना प्रबंधक निर्माण एवं अनुरक्षण इकाई गंगा ऋषिकेश कार्यालय में पार्षद शिवकुमार गौतम ने प्रोजेक्ट मैनेजर संजीव कुमार वर्मा को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में जर्मन डेवलपमेंट के माध्यम से आठ वर्ष पहले ही सीवर लाइन का कार्य होना था, जो आज तक शुरू नहीं हो पाया है। शहर की अधिकांश सीवर लाइन क्षतिग्रस्त हो चुकी है। यह सीवर लाइनें 40 वर्ष पहले डाली गई थी। उस समय नगर की आबादी बहुत कम थी, लेकिन अब आबादी 20 गुणा से अधिक हो चुकी है। ऐसे में आए दिन सीवर ओवर फ्लो आदि की समस्याएं हो रही हैं। उन्होंने नगर के तमाम क्षेत्रों में 18 इंच व 24 इंच के पाइप डालने की मांग की है, ताकि बरसात के समय भी जलभराव की समस्या से निपटा जा सके। प्रोजेक्ट मैनेजर संजीव कुमार वर्मा ने समस्या का समाधान जल्द करने का आश्वासन दिया।

भाजपा ने हर घर बिजली पहुंचायीः अग्रवाल

ऋषिकेश। कबीना मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि भाजपा सरकार हर घर बिजली दे रही है। आज हर घर में बिजली आने से गांवों में भी प्रकाश है। ग्रामसभा की ओर से दिए जा रहे एलईडी बल्ब बाजार मूल्य से कम कीमत पर उपलब्ध हैं। शुक्रवार को खैरीकलां में ग्राम सभा की ओर से प्रोजेक्ट साइन वन के तहत बिजली बचाओ एलईडी बल्ब लगाओ कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने दीप जलाकर किया। उन्होंने स्थानीय नागरिकों को एलईडी बल्ब वितरित करते हुए कहा कि उनकी विधायकी के साढ़े 16 वर्षों में ऋषिकेश विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में पथ प्रकाश की कभी कमी नही रही। जबकि पूर्व के जनप्रतिनिधियों ने अपने चहेतों का ही विकास किया। हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना से कार्य करती है।

भाकियू तोमर के अध्यक्ष संजीव तोमर के नेतृत्व में किसान यूनियन के प्रतिनिधिमण्डल ने की सीएम धामी से भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में भारतीय किसान यूनियन तोमर के अध्यक्ष संजीव तोमर के नेतृत्व में किसान यूनियन के प्रतिनिधिमण्डल ने भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को किसानों की समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जनपद हरिद्वार में अतिवृष्टि से हुए जलभराव के कारण फसलों को काफी नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि अभी कुछ लोगों को मुआवजा नहीं मिल पाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है, उनको जल्द मुआवजा दिया जायेगा। उन्होंने अतिवृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का पूरा आकलन कर क्षतिपूर्ति करने के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह किया। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के सभी हितों को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है।

सीडीओ कमठान की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय समन्वयन बैठक

देहरादून। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में उत्तराखण्ड ग्राम्य विकास समिति अन्तर्गत गठित ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना (फएअढ) की जिला स्तरीय समन्वयन बैठक आहुत की गयी। बैठक में जिला स्तरीय विभिन्न रेखीय विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार परक प्रशिक्षण के साथ ही महिलाओं की आर्थिकी बढाने की दिशा में कार्य करें तथा जरूरतमंद महिलाओं कों समूह के माध्यम से जोड़े। निर्देशित किया कि स्थानीय उत्पादों को राज्य के ब्रांड हिलांस के माध्यम से बाजार में उतारें साथ ही उत्पादों की गुणवत्ता बनाये रखने तथ स्वंयसहायता समूहों को प्रशिक्षण प्रदान करें। उन्होंने बाजार मांग के अनुरूप उत्पाद बाजार में उतारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता एवं विशेषता का विभिन्न माध्यम से प्रचार–प्रसार करें ताकि उत्पादों का उचित बाजार मिल सके महिलाओं एवं ग्रामीण उद्यमियों की आर्थिकी मजबूत हों। उन्होंने महिलाओं को कपड़े; जैसे– कुर्ता, शर्ट, आदिद्ध का प्रशिक्षण देने तथा वृहद स्तर पर इसकी युनिट स्थापित करने हेतु संभावना तलाशने तथा बेहतर पैकेजिंग आदि के सुझाव दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने जिला परियोजना प्रबंधक, देहरादून एवं रेखीय विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजना गतिविधियों के सुचारू रूप से संचालन हेतु आपसी समन्वयन स्थापित करते हुए कार्य करें। उन्होंने बाजार की माँग के अनुरूप उत्पादों को तैयार करने तथा उद्यम स्थापना करने हेतु सुझाव दिया साथ ही उनके द्वारा ब्रांडिंग को और बेहतर बनाने एवं प्रमोशन करने के निर्देश दिए। महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता आदि को देखते हुए उन्हें नियमित बाजार उपलब्ध कराने एवं उनकी आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से परियोजना को विकास भवन सभागार अंतर्गत बनी दुकान को आवंटित करने हेतु कहा।

बैठक में जिला परियोजना प्रबंधक, रीप, देहरादून द्वारा परियोजना अन्तर्गत प्रस्तावित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी तथा वित्तीय वर्ष 2023–24 में परियोजना की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट का प्रस्तुतीकरण किया गया। परियोजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022–23 में वर्तमान तक किये गये कायो की प्रगति एवं उपलब्धियों से अवगत कराया गया।

आठ अक्टूबर को होंगे सुखरौ देवी मंदिर समिति के चुनाव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सुखरौ देवी मंदिर समिति के चुनाव आठ अक्टूबर को करवाए जाएंगे। 23 सितंबर तक कार्यकारिणी के चुनाव में भाग लेने वाले व्यक्ति अपना पंजीकरण करवा सकते हैं।

शुक्रवार को समिति की बैठक आयोजित की गई। समिति के सचिव वासवानंद खंतवाल ने बताया कि सुखरौ देवी मंदिर से सैकड़ों भक्तों की आस्था जुड़ी हुई है। ऐसे में मंदिर में बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। बैठक में चुनाव से पूर्व सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। कहा कि संविधान के नियमानुसार संपन्न करवाए जाएंगे।

मालन नदी के वैकल्पिक मार्ग पर आवाजाही शुरू, फैक्ट्री संचालकों ने ली राहत की सांस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मालन नदी में ह्यूमपाइप पाइप डालकर बनाए गए वैकल्पिक मार्ग पर आवाजही शुरू हो गई है। वैकल्पिक मार्ग खुलने के बाद सिडकुल स्थिति फैक्ट्री संचालकों ने रात की सांस ली। फैक्ट्रियों के लिए इसी मार्ग से सामान लेकर भारी वाहन जा रहे हैं।

मालन पुल टूटने के बाद से जहां हल्के वाहनों के लिए मवाकोट और कण्वाश्रम होते हुए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है, जबकि भारी वाहनों के लिए तल्ला मोटाढांक से हल्दूखाता के लिए 300 मीटर ह्यूमपाइप कॉजवे समेत करीब दो किमी कंडी मार्ग का नए सिरे से निर्माण किया जा रहा है। मगर बारिश के कारण यहां बार-बार वाहनों की आवाजाही ठप हो रही है। सिडकुल निर्माता संघ के महासचिव विवेक चौहान, उद्यमी सुरेश ठाकुर, रमेश पटवाल ने कहा कि कॉजवे बार-बार बंद हो रहा है, जबकि वैकल्पिक सड़क का निर्माण धीमी गति से हो रहा है।

मालन नदी पर बने वैकल्पिक मार्ग से आवागमन करते वाहन

ऐसे में उद्योग जगत के साथ ही भाबर के लोगों को दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। जगदंबा प्रसाद उनियाल, पुष्कर सिंह राणा, दिनेश गौड़, अशोक कुमार गौड़, उदय सिंह, ईश्वरी सिंह ने दो किमी. कंडी मार्ग को पक्का बनाने की मांग की। वहीं लोनिवि दुगड्डा के अधिशासी अभियंता डीपी सिंह का कहना है कि कंडी मार्ग पर कॉजवे से आवाजाही शुरू करा दी गई है।

60 विद्यार्थियों ने पास की एनसीसी प्रवेश परीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में 60 विद्यार्थियों ने परीक्षा पास कर एनसीसी प्रथम वर्ष में प्रवेश किया। इस दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को एनसीसी के महत्व के बारे में बताया। 31 यूके बटालियन से आए हवलदार धर्मपाल सिंह व हवलदार ध्यान सिंह ने छात्र-छात्राओं का फिजिकल टेस्ट, लिखित टेस्ट व मेडिकल करवाया। जिसमें 60 छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण रहे। इस दौरान महाविद्यालय की प्राचार्य डा. जानकी पंवार ने छात्र-छात्राओं को एनसीसी के महत्व के बारे में बताया। कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों को देश सेवा की सीख देता है। एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डा. देवेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि विद्यार्थियों को एनसीसी की ओर से मिलने वाली जानकारियों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। इस मौके पर सीनियर अंडर आफिसर सुमित सिंह, अंजली राणा, सिद्धार्थ सिंह, मनदीप सिंह, प्रीति बिष्ट आदि मौजूद रहे।

वैश्य अग्रवाल समाज ने किया शौचालय निर्माण का विरोध

कोटद्वार : वैश्य अग्रवाल समाज ने नजीबाबाद चौराहे के समीप राजकीय इंटर कालेज की भूमि पर हो रहे शौचालय निर्माण का विरोध किया है। कहा कि चौराहे के समीप महाराज अग्रसेन की प्रतिमा भी है। ऐसे में शौचालय का निर्माण करवाना पूरी तरह गलत है। इस मौके पर डीएम और सीईओ पौड़ी से इंटर कॉलेज की भूमि पर शौचालय न बनाने के आदेश जारी करने की मांग की गई।

नजीबाबाद रोड स्थित एक वेडिंग प्वाइंट में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि जहां पर शौचालय बन रहा है, उसके नजदीक गोखले मार्ग, बिजली घर रोड और रोडवेज बस अड्डे में पहले ही सुलभ शौचालय मौजूद है। इस मौके पर उक्त स्थान पर शौचालय के स्थान पर पार्किंग का निर्माण कराने की मांग की। कहा कि पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में जिलाधिकारी और मुख्य शिक्षा अधिकारी पौड़ी से जीआईसी कोटद्वार की भूमि पर शौचालय न बनाने के आदेश जारी करने की मांग की गई। साथ ही आदेश जारी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई। बैठक में राकेश अग्रवाल को अखिल भारतीय वैश्य महासंगठन का प्रदेश संयोजक बनाए जाने पर खुशी व्यक्त कर उन्हें बधाई दी गई। बैठक में सुशील गुप्ता, संजय मित्तल, विनोद अग्रवाल, महेंद्र कुमार अग्रवाल, गोविंद राम गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, श्याम अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, मनोज अग्रवाल आदि ने विचार रखे।

ठगी पीड़ित जमकर्ता संगठन ने दी चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कंपनी में डूबी रकम वापस नहीं मिलने से नाराज ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार ने आगामी चुनाव के बहिष्कार की चेतावनी दी है। कहा कि देश में अनियमित जमा योजना पांबंदी कानून-2019 लागू होने के बाद भी अब तक उनकी डूबी हुई रकम वापस नहीं मिल पाई है। ऐसे में परिवारों को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

शुक्रवार को इस संबंध में सदस्यों ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। कहा कि जमाकर्ताओं की डूबी हुई रकम को वापस दिलवाने के लिए वर्ष 2019 में कानून बनाया गया था।

भुगतान के लिए समक्षम अधिकारी, सहायक सक्षम अधिकारी के रूप में जिलाधिकारी को नियुक्त किया गया है। लेकिन, कोटद्वार प्रशासन ने अब तक पीड़ित परिवारों की सुध नहीं ली। चार वर्ष बाद भी पीड़ित परिवार अपनी रकम को वापस दिलवाने के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं। कई आंदोलन के बाद भी पीड़ितों की अनदेखी की जा रही है। कहा कि पीड़ित परिवारों को बेहतर मदद मिल सकें इसके लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए जाने चाहिए। इस मौके पर सुखदेव सिंह शाक्त्री, लक्ष्मी बिष्ट, इंदु नेगी, नीमा भंडारी, अनिता घिल्डियाल, विजय लक्ष्मी, राजेंद्र कुमार, रीना आर्य, विजय लक्ष्मी आर्य, कल्पना, कल्पना रावत, दर्शन लाल, विजय, कुलदीप सिंह, सरोज देवी आदि मौजूद रहे।

बॉबी पंवार की गिरफ्तार पर भड़की समिति

पौड़ी : पौड़ी बचाओ संघर्ष समिति ने बेरोजगार संघ के प्रदेश अध्यक्ष बॉबी पंवार की गिरफ्तारी पर आक्रोश जताया है। समिति के संयोजक नमन चंदोला ने गिरफ्तारी को भ्रष्टाचार के खिलाफ उठने वाली आवाज को सरकार द्वारा दबाए जाने का परिणाम बताया। कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को सरकार दबाने का काम कर रही है। बागेश्वर में बागनाथ मंदिर में दर्शन करने को जा रहे बॉबी पंवार को गिरफ्तार किया गया है। बॉबी की गिरफ्तारी से स्पष्ट है कि बागेश्वर उपचुनाव को लेकर सरकार में डर का माहौल है। सरकार लगातार जनमुद्दों से भाग रही है।

ग्राम समूह की महिलाओं ने लगाई प्रदर्शनी

पौड़ी : 15 ग्राम समूह की महिलाओं ने दीन दयाल राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन योजना के तहत मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना में शुक्रवार को बीरोंखाल में बाजार में समूह से जुड़ी महिलाओं द्वारा स्वयं अपने संसाधनों से बनाया गया अचार, मिर्च, मंडूवा, धूप, अगरबती, राखी की प्रदर्शनी लगाई।

दीन दयाल राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन बीरोंखाल की एरिया कॉर्डिनेटर अनीता रावत ने बताया कि सरकार द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई सरकारी योजना का संचालित कर रही हैं। जिससे बीरोंखाल ब्लाक की पंद्रह ग्राम महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं द्वारा अपने संसाधनों से आवाला अचार, धूप, गहत, पापड़ के पत्ते, राखी, कच्चे केले, लिंगोड़े, मिर्च की प्रदर्शनी लगा कर क्षेत्र के ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने खरीदारी कर महिलाओं का आभार जता कर उन्हें बधाई दी हैं। उन्होंने बताया कि बीरोंखाल ब्लाक में पांच सौ से अधिक महिला स्वयं सहायता समूह बनाए हुए हैं। इस अवसर पर शांति नेगी, अनीता रावत, रेखा ध्यानी, पूनम ढौंडियाल, बैंक सखी मीना चंद, ललिता रावत, लक्ष्मी देवी आदि मौजूद थे।

त्याग, संयम व करूणा की मूर्ति हैं भगवान शिव : आचार्य राकेश लखेड़ा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आचार्य पंडित राकेश चंद्र लखेड़ा ने शिव कथा का वर्णन करते हुए कहा कि शिव तपस्या, त्याग, संयम एवं करूणा की मूर्ति है। शिव पूजन से मनुष्य में भक्ति व त्याग की भावना बढ़ती है। उपासना करने वाले में यदि त्याग, दया व संयम नहीं है तो विचार कर लेना चाहिए की साधना में कुछ त्रुटि रह गई है।

सुखरौ देवी मंदिर में आयोजित शिवमहापुराण कथा के तीसरे दिन आचार्य राकेश चंद्र लखेड़ा ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि शिव महापुराण कथा जीव के पूर्व जन्मों के समस्त पापों को दूर कर शिव कृपा का मार्ग प्रशस्त करता है। भगवान शिव की कथा से शरीर, वाणी, मन द्वारा किए गए पाप धूल जाते हैं। कलियुग में शिव कथा के समान कोई भी कल्याणकारी मार्ग सरल नहीं है। शिव प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि मर्यादा को तोड़ने वाले जीव को शिव स्वीकार नहीं करते। इसलिए हमें अपनी मर्यादाओं पर रहना चाहिए। कथा श्रवण को पहुंचे गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र अण्थ्वाल ने कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजनों से हमारी आने वाली पीढ़ी को बेहतर जीवन जीने का मार्ग मिलता है। इस मौके पर विजय लखेड़ा, धीरज सिंह, जनार्दन ध्यानी, शंकर दत्त, सरोज रावत, इंदू डबराल, मनीष सती, विनोद थपलियाल आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार के सुखरौ देवी मंदिर में हो रही शिव महापुराण कथा

प्रशासन व लोनिवि की टीम ने नौ अतिक्रमण किए ध्वस्त

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर उफल्डा में एनएच लोनिवि व प्रशासन की टीम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर नौ अतिक्रमण ध्वस्त किए। इस दौरान प्रशासन को लोगों के भारी विरोध का सामना भी करना पड़ा। मौके पर नजूल भूमि पर बने आवासीय भवनों को बुलडोजर से तोड़ा गया। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद रहा। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के सहायक अभियंता अखिलेश कुमार ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेशानुसार अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया शुक्रवार को उफल्डा में अतिक्रमण किए हुए 9 मकानों का धवस्तीकरण किया गया है। जबकि एक टिन शैड के नीचे वाहन खड़ा होने के चलते कार्यवाही नहीं हो पाई है। कहा कि शनिवार को भी उफल्डा से उस अतिक्रमण को हटवा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक हफ्ते पहले अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया गया था। जिसके बाद ही एनएच प्रशासन ने कार्यवाही की है। स्वीत से लेकर चमधार तक 23 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। जिनको एक हफ्ते के भीतर अतिक्रमण हटाने का नोटिस जारी किया गया है। कहा कि देवप्रयाग से लेकर कीर्तिनगर तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए 23 अतिक्रमणों को हटवाया गया है। इस मौके पर एसडीएम नूपूर वर्मा, तहसीलदार हरीश जोशी, एनएच के जेई संदीप खाली, श्रीनगर थाना प्रभारी रणवीर सिंह रमोला आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

आपदा बनी बाधा, स्थगित हुई अग्निवीर भर्ती रैली

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सितंबर माह से कोटद्वार में होने वाली अग्निवीर भर्ती रैली को स्थगित कर दिया गया है।

भारी अतिवृष्टि से पर्वतीय क्षेत्रों के साथ ही मैदान में हुई तबाही को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। एक से दस सितंबर तक कोटद्वार में अग्निवीर भर्ती रैली होनी थी। लेकिन, अतिवृष्टि के कारण आई आपदा को देखते हुए सेना व प्रशासन ने रैली को स्थगित कर दिया है। उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी ने बताया कि आपदा के कारण व्यवस्थाएं प्रभावित हो गई है। जगह-जगह सड़कें बंद पड़ी हुई है। ऐसे में युवाओं को रैली में भाग लेने के लिए परेशान न होना पड़े इसके लिए यह निर्णय लिया गया है। बताया कि अब अग्निवीर भर्ती 26 नवंबर से एक दिसंबर तक होगी।

मेडिकल कालेज की भूमि खुर्दबुर्द करने का आरोप, कार्रवाई की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड विकास समिति ने खननकारियों पर मेडिकल कॉलेज के लिए चयनित भूमि को खुर्दबुर्द करने का आरोप लगाया है। कहा कि सरकार को पूरे मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

समिति के अध्यक्ष जानकी बल्लभ मैंदोला की अध्यक्षता में हुई बैठक में कहा कि वर्ष 2010-11 से मेडिकल कालेज की कवायद चल रही है। वर्ष 2016 में कांग्रेस सरकार ने कलालघाटी के लछमपुर में मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास कर इसकी चहारदीवारी बनाने का काम शुरू कराया। लेकिन इससे आगे काम नहीं बढ़ा। भाजपा सरकार ने भी जोरशोर से मेडिकल कॉलेज बनाने की बात कही, लेकिन पूरे पांच साल ऐसे ही निकाल दिए।

आज हालात यह है कि चयनित भूमि भी खुर्दबुर्द हो चुकी है। राज्य सरकार कोटद्वार के लिए स्वीकृत योजनाओं के प्रति गंभीर नहीं है। कहा कि विधानसभा अध्यक्ष व क्षेत्रीय विधायक से मेडिकल कॉलेज के लिए चयनित भूमि का स्थलीय निरीक्षण कर यहां अवैध खनन कर चहारदीवारी को नुकसान पहुंचाने के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करवानी चाहिए।

चेतावनी दी गई कि जल्द इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई तो समिति जनसहयोग से आंदोलन शुरू करेगी। बैठक में संरक्षक जेएच नेगी, उपाध्यक्ष सावित्री रावत, सचिव विपुल उनियाल व दुर्गा प्रसाद दूबे समेत कई सदस्य मौजूद रहे।

अपुणी सरकार ई–पोर्टल को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना हम सबके लिये सम्मान की बातः सीएम धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य की सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी (आई.टी.डी.ए.) को राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस पुरस्कार प्रदान किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए निदेशक आई.टी.डी.ए. एवं अन्य अधिकारियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के अपुणी सरकार ई–पोर्टल को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना हम सबके लिये सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार राज्य में ई–गवर्नेंस के क्षेत्र में की जा रही पहल को और गति प्रदान करने में भी सहायक होगा। ज्ञातव्य है कि इंदौर में आयोजित 26वीं ई–गवर्नेंस कॉन्फ्रेंस में राज्य की सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी (आई.टी.डी.ए.) द्वारा विकसित अपुणी सरकार पोर्टल को नेशनल ई–गवर्नेंस अवार्ड 2023 में रजत पदक प्राप्त हुआ है। इसके अंतर्गत एक ट्रॉफी एवं 5लाख का पुरस्कार प्रदान किया गया है।

आई.टी.डी.ए. की निदेशक नितिका खंडेलवाल, अपर निदेशक गिरीश गुणवंत, संयुक्त निदेशक राम उनियाल तथा प्रोजेक्ट मैनेजर सावन कपूर द्वारा उक्त पुरस्कार केंद्रीय मंत्री श्री जितेंद्र सिंह के कर कमलों से 25 अगस्त, 2023 को इंदौर मध्य प्रदेश में प्राप्त किया गया।

जाखणी मांडाकुटीसैंण के लोगों ने सरकार का जताया आभार

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर के जाखणी मांडाकुटीसैंण को नगर पंचायत कीर्तिनगर में शामिल करने के लिए कैबिनेट में प्रस्ताव पारित किए जाने पर लोगों ने खुशी व्यक्त की। साथ ही धामी सरकार का आभार व्यक्त कर मिष्ठान वितरण किया। जाखणी-मांडाकुटीसैंण के ग्रामीण नगर पंचायत में शामिल होने के लिए लंबे समय से मांग कर रहे थे।

ग्रामीणों की मांग पर नगर पंचायत के बोर्ड प्रस्ताव पर उत्तराखंड सरकार ने सीमा विस्तार के लिए कैबिनेट में प्रस्ताव पारित किया है। नगर पंचायत कीर्तिनगर का गठन सन 1950 में हुआ था। प्रथम बार नगर पंचायत का सीमा विस्तार 2017 में हुआ था, जिसमें जाखणी गांव को सम्मिलित किया गया। लेकिन नगर पंचायत क्षेत्रांतर्गत सीमा से लगा जाखणी के (मांडाकुटी सैण) के 32 परिवार छूट गए थे। सीमा विस्तार के लिए ग्रामीण बार-बार मांग कर रहे थे। नगर पंचायत अध्यक्ष कैलाशी जाखी ने बताया कि वर्ष 2019 में वार्ड 3 जाखणी के (मांडाकुटी सैण) को नगर पंचायत में सम्मिलित करने का प्रस्ताव बोर्ड को स्वीकृति दी थी।

उसी प्रस्ताव पर धामी सरकार के कैबिनेट में जाखणी (मांडाकुटी सैण) संबंधित 32 परिवारों को सम्मिलित करने का प्रस्ताव कैबिनेट में पारित किया है। खुशी जताने वालों ग्रामीण बीना देवी, सकला देवी, प्रमिला संगीता, सरोजनी, शिब सिंह, आनंद सिंह, राजेंद्र सिंह, मान सिंह, भूपेंद्र नेगी और पंकज आदि शामिल रहे। (एजेंसी)

एनएमओ उत्तराखंड की कांफ्रेंस एम्स ऋषिकेश में होगी, तैयारी तेज

देहरादून। उत्तराखंड में नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन की वार्षिक कांफ्रेंस फरवरी–2024 में एम्स ऋषिकेश में होगी। इसमें देशभर से मेडिकल एवं डेंटल कॉलेजों के छात्र–छात्राएं, शिक्षक और डॉक्टर प्रतिभाग करेंगे। इसकी तैयारियां तेज कर दी गई है। एनएमओ पदाधिकारियों की बैठक कर तैयारियों पर चर्चा की गई और उन्हें अंतिम रूम दिया गया। कांफ्रेंस में छात्रों, डॉक्टरों के कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष डॉ. आरके जैन, बाल आयोग अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना, डॉ. दत्ता ने अपने सुझाव दिए।

मेजर ध्यान चंद्र के जन्म दिवस पर हॉकी प्रतियोगिता 28 से

कोटद्वार : हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद्र के जन्म दिवस पर हाकी प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय स्टेडियम में 28 अगस्त से किया जाएगा। राजकीय स्टेडियम के इंचार्ज संदीप कुमार डुकलान ने बताया कि पहले दिन अंडर-16 व दूसरे दिन 29 अगस्त को ओपन बालिका वर्ग की प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को अपनी टीम की सूची के साथ ही सभी खिलाड़ियों का आधारकार्ड उपलब्ध करवाना होगा।

प्रदीप अध्यक्ष तो मुकेश बनें सचिव

पौड़ी : ठेकेदार संघ लोनिवि बैंजरों की कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें प्रदीप सिंह नेगी को अध्यक्ष और मुकेश पोखरियाल को सचिव बनाया गया। रवींद्र सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में आयोजित बैठक बैठक में कई मुद्दों पर मंथन किया गया। इसके बाद रविन्द्र सिंह को उपाध्यक्ष, आलम सिंह रावत को सह सचिव, देवेंद्र सिंह को कोषाध्यक्ष, सुरेंद्र सिंह को संयोजक, राजेश सिंह को आडिटर बनाया गया। जबकि कुलदीप, जसवंत सिंह, धीरज सिंह, अरविन्द रावत आदि को सदस्य बनाया गया।

सालम क्रांति के शहीद नर सिंह एवं टीका सिंह के बलिदान को पाठ्यक्रम में किया जाएगा शामिलः डॉ धन सिंह

अल्मोड़ा। जनपद प्रभारी मंत्री तथा चिकित्सा, शिक्षा, उच्च शिक्षा सहकारिता मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने शुक्रवार को तहसील जैंती के धामदेव में सालम क्रांति दिवस में प्रतिभाग कर शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीद नर सिंह एवं टीका सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस क्षेत्र के स्वतंत्रता सेनानी नर सिंह और टीका सिंह ने अंग्रेजों से लड़ते हुए 25 अगस्त 1942 को इस स्थान पर बलिदान दिया था। उनकी बरसी पर हर साल धामदेव में यह दिवस मनाया जाता है। इस दौरान प्रभारी मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत 45.71 लाख रुपए की लागत से सालम, जैंती में बने शहीद स्मारक का लोकार्पण भी किया तथा शहीद नरसिंह धानक एवं शहीद टीका सिंह की प्रतिमाओं का अनावरण भी किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सालम क्रांति देश एवं दुनिया में विशेष स्थान रखती है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लिए जैंती क्षेत्र का अहम योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आने वाले दिनों में सालम क्रांति में शहीद नरसिंह धानिक एवं शहीद टीका सिंह के बलिदान को कक्षा 12 तक के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि सालम क्रांति शहीद स्मारक के विभिन्न कार्यों को करने हेतु 25 लाख रुपए भी अवमुक्त किए जाएंगे। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार सबका साथ सबका विकास के मंत्र पर लगातार काम कर रही है।

पिथौरागढ़ के ब्यूटी पार्लर और होटल, ढाबों में चला चैकिंग अभियान

पिथौरागढ़। पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह के आदेश पर एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने मानव तस्करी, बाल श्रम, बाल अपराध एवं देह व्यापार के मामलों को पकड़ने को अभियान चलाया। प्रभारी निरीक्षक एएचटीयू मोहन चन्द्र पाण्डेय के नेतृत्व में होटल एंव ब्यूटी पार्लरों की चैकिंग की गयी।

जहां कार्यरत कर्मचारियों का सत्यापन चैक किया गया। इस दौरान होटल व ब्यूटी पार्लर संचालकों को हिदायत दी गई कि वह बिना सत्यापन के किसी को भी काम पर नहीं रखेंगे। ब्यूटी पार्लरों में आयी महिलाओं को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उत्तराखण्ड पुलिस एप में गौरा शक्ति एप के माध्यम से तथा 112 पर शिकायत दर्ज कराने को जागरूक किया गया।

गुमशुदा महिला मामला दर्ज़ होने के 3 घण्टे के भीतर सकुशल बरामद

अल्मोड़ा। सल्ट निवासी एक महिला द्वारा अपनी बहू के 15 अगस्त को घर से बिना बताए कहीं जाने के सम्बन्ध में थाना सल्ट में शुक्रवार 25 अगस्त को गुमशुदगी दर्ज कराई गयी।

मामले में एसएसपी रामचन्द्र राजगुरु के निर्देशन व सीओ रानीखेत तिलक राम वर्मा के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष सल्ट अजेन्द्र प्रसाद द्वारा गुमशुदा की तलाश हेतु तत्काल टीम गठित की गई।

थानाध्यक्ष सल्ट के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा सुरागरसी पतारसी करते हुए सर्विलांस की सहायता से गुमशुदा महिला को गुमशुदगी दर्ज होने के 03 घण्टे के भीतर हिनौला सल्ट से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली भाजपा को नहीं दिख रहीः काँग्रेस

पिथौरागढ़। स्वास्थ सेवाओं को लेकर कांग्रेस ने भाजपा जिलाध्यक्ष के बयान की निंदा की है। उन्होंने स्वास्थ सेवाओं को लेकर आंदोलन कर रहे महिलाओं व जनता का अपमान करने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को एक बयान में कांग्रेस के जिला महासचिव चंचल बोरा ने कहा कि स्वास्थ सेवाओं को लेकर भाजपा सरकार कितनी संवेदनशील है यह भाजपा के आला नेताओं के बयान से पता चल रहा है। स्वास्थ सेवाओं को लेकर आंदोलन कर रहे लोगों का अपमान किया जा रहा है। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष त्रिलोक सिंह महर ने कहा कि डीडीहाट ही नहीं पूरे जनपद में स्वास्थ सेवाएं बदहाल है।

सर्जन डॉ सुकोटी ने निर्धन नेपाली बच्चे का जटिल ऑपरेशन कर जिला चिकित्सालय का मान बढ़ाया

अल्मोड़ा। यहां जिला चिकित्सालय में बीते दो रोज पूर्व 5 साल के मासूम असहल को वरिष्ठ शल्य चिकित्सक डॉ अमित सुकोटी ने नया जीवन दिया है। नेपाली मूल के इस बच्चे को एक गंभीर बीमारी थी और व आर्थिक रूप से अत्यंत गरीब था।

आयुष्मान कार्ड जैसी किसी सुविधा से वंचित इस परिवार को सर्जन अमित ने भर्ती किया और उसकी बीमारी की गंभीरता को समझा और उसका सफल ऑपरेशन किया। बच्चे का जन्म से दांया अण्डाशय गायब था और उसकी नली भी बाधित थी। बच्चे को एक जटिल इनग्यूनल हर्निया भी था। रेडियोलॉजिस्ट डॉ टम्टा ने अल्ट्रासाउण्ड के द्वारा इसका पता लगाया। इस प्रकार की जटिलता का उपचार एक तरह से पर्वतीय जनपदों में होना संभव नहीं था। बच्चे के पिता सनजू सिंह और माता हीरा मूल रूप से धनगढ़ी फूलबाड़ी नेपाल के निवासी हैं उनकी पत्नी भी बीमार है और वर्तमान में हवालबाग में मेहनत मजदूरी कर अपना परिवार पालते हैं।

संपर्क व संचार कौशल का दिया प्रशिक्षण

पिथौरागढ़। उत्तराखंड हेल्थ सिस्टम्स डेवलपमेंट परियोजना के तहत चार दिवसीय संपर्क व संचार कौशल का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें 27 नर्सेस, फार्मासिस्ट्स, टेक्नीशियंस और एएनएम ने हिस्सा लिया। शुक्रवार को हुए समापन पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। एएमएस प्रशिक्षक प्रवीण कुमार, ब्लाक कार्डिनेटर पवन सिंह रावत, सीमा रावत, मनोज पंत, मोहन सिंह, पी राज, मोनू खडायत, संजय पंत, संजय कुमार, दीपा कोरंगा, शालिनी जोशी, सुरेंद्र ग्वासीकोटी मौजूद रहे।

नंदा देवी मेले में एडम्स मैदान में भी सजेंगी दुकानें, भव्य होगा मेला

अल्मोड़ा। नंदा देवी मेला 2023 की तैयारियों को लेकर एक बैठक का आयोजन मंदिर समिति द्वारा किया गया। इस वर्ष के मेले में अल्मोड़ा खास पर्जा से ग्रामीण क्षेत्र की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। यह जानकारी देते हुए बैठक की अध्यक्षता कर रहे मनोज वर्मा ने बताया कि कुमाऊं क्षेत्र के निवासियों, लोक कलाकारों, रंग कर्मियों को इस मेले से जोड़ा जाएगा। बैठक में सुनिश्चित किया गया कि एडम्स इंटर कॉलेज के प्रांगण में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बाहर के व्यापारियों को दुकानें आवंटित कर दी गई हैं इसमें स्थानीय व्यापारियों के हितों का ध्यान रखा गया है। बैठक में इस बात पर रोष व्यक्त किया गया कि नगर व्यापार मंडल अल्मोड़ा के अध्यक्ष के द्वारा यह बयान दिया जाता है कि एडम्स स्कूल के प्रांगण में दुकान नहीं लगने दी जाएगी।

मृतका के खाते से रकम निकालने की जांच शुरू

रुद्रपुर। नगर के बैंक शाखा से एक मृतका के खाते से रकम निकाल ली गयी। मृतका महिला के नाती ने शाखा प्रबंधक तथा पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है।

गुरुवार को ग्राम पिपलिया पिस्तौर निवासी बलजीत सिंह ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा है कि उसकी नानी बुद्धा वाई का स्वर्गवास हो गया है। बैंक खाते में नामिनी नहीं होने से रुपये निकल नहीं पाये हैं।

खाते में 31 हजार रुपये जमा थे। बलजीत के अनुसार 23 अगस्त को बैंक से अज्ञात ने धनराशि निकाल ली। एसआई लक्ष्मण जोशी ने बैंक पहुंचकर सीसीटीवी खंगाले व बैंक से जानकारी जुटाई।

बॉबी पवार समेत पांच लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बागेश्वर। पुलिस ने बेरोजगार संगठन के अध्यक्ष बॉबी पवार समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पांचों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। सभी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। न्यायालय के आदेश के बाद आगे की कार्रवाई होगी। पुलिस ने अदालत के निर्देशों के उल्लंघन और चुनाव में अशांति फैलाने की आशंका के मद्देनजर गिरफ्तारी की बात कही है। पुलिस की इस कार्रवाई पर विभिन्न संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताई है।

बेरोजगार संगठन के अध्यक्ष पवार समेत पांच लोगों को पुलिस ने शुक्रवार को नुमाईशखेत के पास से गिरफ्तार किया और कोतवाली ले गई। यहां बॉबी पवार, कार्तिक उपाध्याय, भूपेंद्र कोरंगा, राम कनवाल, नितिन दत्त के खिलाफ आईपीसी की धारा 147, 188, 186, 171जी के तहत काईवाई की गई। खबर लिखे जाने तक पुलिस पांचों को न्यायालय ले गई है। न्यायालय के आदेश के बाद आगे की कार्रवाई होगी। पवार की गिरफ्तारी के दो घंटे बाद पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रह्लाद कोंडे ने पत्रकार वार्ता की। उन्होंने बताया कि पवार के खिलाफ देहरादून में एक मुकदमा दर्ज है। इस मामले में वह जमानत पर हैं। जमानत में न्यायालय के निर्देश हैं कि पवार देहरादून में ही खास जगह रहकर संगठन के काम कर सकते हैं अन्य स्थानों पर नहीं। इधर, बागेश्वर में विधानसभा उपचुनाव हैं उसे प्रभावित करने की उनकी मंशा थी। जैसा कि उनके ह्वाट्सएप ग्रुप में चल रहा था। इंटलीजेंस का इनपुट था कि ये लोग अशांति फैलाने आ रहे हैं। इससे संबंधित कुछ दस्तावेज भी उनके पास थे। उन्होंने जिला प्रशासन से कार्यक्रम की अनुमति मांगी थी, लेकिन प्रशासन ने धारा 144 लगे होने के कारण उन्हें अनुमति नहीं थी। उनका कोई राजनैतिक दल नहीं है।

प्रसार अधिकारियों के क्षमता विकास के लिए प्रशिक्षण दिया

रुद्रपुर। उत्तराखण्ड प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं प्रसार प्रशिक्षण संस्थान, नीलोखेड़ी, हरियाणा (भारत सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में प्रसार अधिकारियों के क्षमता विकास के लिए प्रसार की विधियां एवं सोशल मीडिया का कृषि तकनीक हस्तांतरण में भूमिका विषयक प्रशिक्षण समापन किया गया। प्रशिक्षण के अवसर पर कृषक भवन के सभागार से निदेशक प्रसार शिक्षा और समेटी डॉ. जय प्रकाश जायसवाल ने कहा कि कृषि के विकसित तकनीक के हस्तांतरण में सोशल मीडिया का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से अपील की कि चार दिनी प्रशिक्षण में सीखे गए विषयों को अपनाकर अपने क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें तथा फसलों के पैदावार एवं कृषकों की आय बढ़ोतरी में सार्थक भूमिका निभाएं। डॉ. बीडी सिंह, प्राध्यापक और समन्वयक समेटी ने कहा है कि आप लोग सीधे कृषकों के संपर्क में रहते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीक के प्रचार–प्रसार में आप महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। तकनीक हस्तांतरण के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक सदैव आपके सहयोग हेतु समर्पित रहेंगे। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों से लगभग 50 कृषि विभाग के विस्तार अधिकारी ने भाग लिया। समापन अवसर पर प्रसार शिक्षा निदेशालय के संकाय सदस्य डॉ. आरके शर्मा, डॉ. संजय चैधरी,डॉ. निर्मला भट्ट, घनश्याम जोशी, कु. ज्योति कनवाल,जगदीश चन्द्र बिष्ट सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित थे।

भुवन बने रोडवेज कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष

चम्पावत। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद की लोहाघाट शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। भुवन चंद्र को शाखा अध्यक्ष चुना गया। शुक्रवार को रोडवेज परिसर में हुए कार्यक्रम में चुनाव अधिकारी सतीश पांडेय और एनडी जोशी की देखरेख में हुए कार्यक्रम में सर्वसम्मति से अनिल यादव शाखा मंत्री और कुशल वर्मा को कोषाध्यक्ष चुना गया। पदाधिकारियों ने कर्मचारी हित में कार्य करने की शपथ ली।

सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर ढाई लाख की ठगी

रुद्रपुर। सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर एक युवक से ढाई लाख की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिगवाड़ा भट्टा निवासी गुरजीत सिंह पुत्र सन्तोख सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि मार्च में उसकी रामपुर निवासी सेजेपी सिंह से मुलाकात हुई थी, जो की उसका रिश्तेदार है। इस दौरान उसने खुद को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय दिल्ली का कर्मचारी बताया और कहा कि वह अपने विभाग में उसकी 25 मई तक सरकारी नौकरी लगा देगा। इसमें उसे 30 से 35 हजार रुपये मासिक वेतन मिलेगा। इस पर भरोसा करते हुए उसने अलग–अलग तरीकों में पिता के खाते से ढाई लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

विकास के दम पर बागेश्वर उपचुनाव जितेगी भाजपाः दुष्यंत

बागेश्वर। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम ने कहा कि भाजपा विकास के दम पर बागेश्वर उपचुनाव भारी बहुमत से जीतेगी। सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। देश व प्रदेश की सरकार समावेशी विकास के संकल्प को लेकर चल रही है। कहा कि भाजपा नैतिक मूल्यों के आधार पर कार्य करती है। पार्टी कार्यालय में शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में गौतम ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी हुई है। कहा कि कांग्रेस जो राम को नकार रही थी, उन्हें चुनावों के वक्त राम व राम मंदिर याद आ रहे हैं। भाजपा का लक्ष्य सेवाभाव है। उन्होंने कहा कि विपक्ष गुमराह करने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रही है। देश तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जबकि कांग्रेस काल घोटाले का काल रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा हर समय चुनावों के लिए तैयार रहती है। भाजपा कार्यकर्ता हर दिन कार्य करते हैं। उनका कार्यकर्ता हर घर तक पहुंचा है।

छात्र–छात्राओं को साईबर क्राईम, ड्रग्स सहित विभिन्न विषयों पर किया जागरुक

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा पुलिस के साइबर सेल व एसओजी/ एएनटीएफ में नियुक्त हैड कांस्टेबल मुदित वर्मा व कांस्टेबल इंद्र कुमार द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अल्मोड़ा की ओर से राजकीय इंटर कॉलेज स्यालीधार, अल्मोड़ा में आयोजित विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर में प्रतिभाग किया गया। पुलिस कर्मियों द्वारा जागरुकता कार्यक्रम के दौरान ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 के तहत छात्र – छात्राओं व स्टाफ को ड्रग्स के प्रति जागरूक करते हुए नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देकर जीवन में हमेशा नशे से दूर रहने व लोगों को भी प्रेरित करने को कहा गया, सड़क सुरक्षा के प्रति सजग कर यातायात नियमों/ एमवी एक्ट प्रावधानों की जानकारी देकर बालिग होने तक वाहन नहीं चलाने को कहा गया।

संजय वन में मिला शव, हत्या की आशंका

रुद्रपुर। संजय वन में एक युवक का सड़ा–गला शव मिलने से हड़कंप है। शव पर धारदार हथियार के चोट के कुछ निशान भी हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को लिए भेज दिया है। वहीं मृतक की शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे हैं।

संजय वन से आगे टांडा जंगल में सड़क से कुछ दूरी पर एक 36 वर्षीय युवक की लाश पड़ी हुई थी। यह देख वहां से गुजर रहे राहगीरों का मौके पर जमावड़ा लग गया। इस पर उन्होंने सूचना पुलिस को दी।

अंडरग्राउंड वाशिंग पिट बनाकर सड़क निर्माण की मांग

चम्पावत। विष्णुपुरी– ज्ञानखेडा जनहित संघर्ष समिति ने जल भराव को देखते हुए नगर पालिका के खिलाफ गुस्से का इजहार किया। उन्होंने नगर पालिका से सड़क निर्माण कार्य में खुली नाली को मिट्टी से ना पाट कर अंडरग्राउंड वाशिंग पिट बनाकर सड़क का निर्माण करने की मांग की है। समिति के अध्यक्ष दिनेश चंद्र भट्ट ने बताया कि वार्ड नंबर 11 और वार्ड नंबर चार के बीच ज्ञानखेड़ा पंचायत घर शिव मंदिर तक नाली को पाट कर सड़क का निर्माण किया जाना है। जिसके लिए नगर पालिका के पास करीब शासन से धनराशि भी मंजूर हो गई है। बताया कि समिति सड़क निर्माण कार्य का बीते पांच वर्षों से विरोध करती आ रही है। उन्होंने सड़क निर्माण कार्य में खुली नाल को मिट्टी से ना पाटकर अंडरग्राउंड वाशिंग पिट बनाकर सड़क का निर्माण किए जाने की मांग की है।

चम्पावत में बंद हैं चार ग्रामीण सड़कें

चम्पावत। चम्पावत में बारिश की वजह से चार ग्रामीण सड़कों में वाहनों की आवाजाही ठप हो गई है। इससे इन गांवों से लगी बड़ी आबादी को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने शीघ्र सड़क खोलने की मांग की है। चम्पावत में बारिश से चार ग्रामीण सड़कें बंद हैं। जिला आपदा नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के मुताबिक लोनिवि लोहाघाट की दो, पीएमजीएसवाई चम्पावत और एनपीसीसी चम्पावत की एक–एक सड़क बंद चल रही है।

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा शुरू, 19 लोगों ने लिया नेत्रदान का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।रूद्रप्रयाग : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में 38वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा शुरू हो गया। इस अवसर पर आयोजित तीन नेत्र शिविरों में 66 लोगों की आई स्क्रीनिंग की गई व 03 विद्यालयों व 02 आंगनबाड़ी केंद्रों में जागरूकता गोष्ठियों का आयोजन किया गया। वहीं, नेत्रदान का संकल्प लेते हुए 19 लोगों के द्वारा नेत्रदान का शपथ पत्र भरा गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 एचसीएस मर्तोलिया ने कहा कि नेत्र का एक हिस्सा कार्निया का प्रत्यारोपण कर नेत्रहीन के जीवन को रोशन किया जा सकता है, लेकिन दुर्भाग्य से कार्निया की भारी कमी है। नेत्रदान नेक कार्य है और इसके माध्यम से ही नेत्रहीनों को दृष्टि का अमूल्य उपहार दिया जा सकता है। बताया कि नेत्रदान के प्रति जनमानस में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ही 25 अगस्त से 08 सितंबर तक 38 वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। बताया कि पखवाड़े के तहत आयोजित आई स्क्रीनिंग कैंप के अंतर्गत जिला चिकित्सालय में 39, सीएचसी अगस्त्यमुनि में 17 व सीएचसी जखोली में 10 लोगों की आई स्क्रीनिंग की गई, जबकि पखवाड़े के पहले दिन 19 लोगों द्वारा नेत्रदान का संकल्प लेते हुए नेत्रदान शपथ पत्र भरा गया। इस अवसर पर नेत्र सर्जन डॉ0 अमित अंब ने कहा कि नेत्रदान मृत्यु के बाद होता है और आंख 6 से 8 घंटे के बीच ली जानी होती है, नेत्रदान लेने के लिए चिकित्सक द्वारा स्वयं घर जाकर नेत्र निकाले जाते हैं जो कि निःशुल्क होते हैं, किसी भी उम्र का कोई भी व्यक्ति मृत्यु से पूर्व स्वंय की मृत्यु होने पर नेत्रदान की प्रतीज्ञा कर सकता है, जरूरी बात यह है कि उसकी आंख की कार्निया साफ और स्वस्थ होनी चाहिए। मधुमेह का रोगी भी नेत्र दान कर सकता है। यदि किसी व्यक्ति द्वारा जीवन में नेत्रदान की घोषणा न की गई हो तो भी नेत्रदान किया जा सकता है उसके किसी भी संबंधी को नेत्रदान का अधिकार है। एक व्यक्ति के नेत्रदान से दो दृष्टिहीन लोग पुनः दुनिया देख सकते हैं। वहीं, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीमों द्वारा प्राथमिक विद्यालय रामपुर, अगस्त्यमुनि, कणसिल तथा आंगनबाड़ी केंद्र चंदी देवल व खुमेरा में जागरूकता संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। \

वक्ताओं ने नेत्रदान के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि नेत्रदान से संबंधित जानकारी के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1800-11-4770 या हेल्थ हेल्पलाइन नंबर 104 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने नेत्र सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुए वर्ष में एक बार नेत्र विशेषज्ञ से अपने नेत्रों की जांच अवश्य करवाने, बच्चों को नुकीली वस्तुओं, खिलौनो से दूर रखने, आई फ्लू होने पर नेत्र विशेषज्ञों से परामर्श लेने व चिकित्सकीय परामर्श के बगैर कोई दवा न लेने की अपील की गई।

पुलिस ने नो पार्किंग में खड़े वाहनों के खिलाफ की कार्यवाही

उत्तरकाशी : नगर परिक्षेत्र के अंतर्गत नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों टोल कर यातायात पुलिस ने थाना परिसर पहुंचाया। इस दौरान पुलिस ने स्थानीय लोगों को सख्त हिदायत दी की वह अपने वाहन तय पार्किंग स्थल पर ही खड़ा करें। शुक्रवार को यातायात पुलिस ने नगर क्षेत्र में सुगम व सुचारु संचालन के दृष्टिगत रखते हुए एसपी अर्पण यदुवंशी के दिशा निर्देशन में कोर्किट रोड, केदार घाट, रोड सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस ने नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए उन्हें टोल किया और थाना परिसर पहुंचाया।

जिस पर कार्यवाही करते हुए कोर्ट रोड व केदार घाट रोड पर अनावश्यक रुप से नो पार्किंग जोन मे खड़े वाहनों के खिलाफ कार्यवाही की गई। उन्होंने कहा कि सभी दो पहिया वाहन चालकों, स्कूल कॉलेजों व प्रतियोगी परीक्षाओं के छात्र-छात्राओं को वाहनो को सुविधानुसार निर्धारित पार्किंग स्थल रामलीला मैदान या केदारघाट पार्किंग पर ही पार्क करने को कहा गया है। (एजेंसी)

पूर्व राज्यपाल के बयान पर भड़के तीर्थ पुरोहित

टिहरी : उत्तराखंड पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी के गंगा नदी पर दिये गए बयान से तीर्थ पुरोहित समाज सहित क्षेत्रवासियों में रोष बना है। तीर्थ पुरोहित समाज ने पूर्व राज्यपाल के बयान की कड़ी निंदा की है। प्रदेश के पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी ने मध्य प्रदेश में आयोजित एक कार्यक्रम में गंगा मैया की जय बोलने को डूब मरने वाली बात कही है।

उनके बयान से तीर्थ पुरोहित समाज ने रोष बना है। तीर्थ पुरोहितों ने कहा कि कुरैशी जिस राज्य के राज्यपाल रहे वहीं से निकलने वाली मां गंगा के प्रति इस तरह के बयानबाजी कर रहे हैं, जो हिन्दूओं की भावना को आहत करती है। तीर्थ पुरोहित अशोक टोडरिया ने कह कि उत्तराखंड के राज्यपाल रहते अजीज कुरैशी यहां की देव संस्कृति और गंगा की महिमा बखान करते थकते नहीं थे, लेकिन उनके द्वारा गंगा पर दिये गये बयान से करोडों हिंदुओं की आस्था पर चोट पहुंची है। श्री बदरीश युवा पुरोहित संगठन ने कहा कि पूर्व राज्यपाल कुरैशी यह कैसे भूले कि देश के करोड़ों लोगों का जीवन गंगा नदी पर निर्भर है और उनके लिए गंगा मां के समान है, जबकि हिंदू धर्म में गंगा मुक्ति देने वाली मानी गई है। कहा अपने विशेष गुण के कारण गंगा नदी के जल में कभी कीड़े नहीं पड़ते हैं, यही नहीं विश्व का महान कुंभ मेला गंगा तट पर हरिद्वार और प्रयागराज में ही आयोजित होता है। कहा अनेक मुस्लिम संतों, शायरों ने गंगा की महिमा का बखान किया है। प्रसिद्ध गायक मो. रफी का गाया गीत गंगा तेरा पानी अमृत आज भी इसकी महत्ता बताता है। निंदा करने वालों में रमावल्लभ भट्ट, अशोक तिवारी, माधव पंचपुरी, नितिन ध्यानी, गिरीश कोटियाल, नरहरि शास्त्री, महेश अलखनिया, श्रीपति बाबुल आदि शामिल हैं। (एजेंसी)

भू कटाव रोकने को किया जाए स्थाई समाधानः विधायक

विकासनगर। सहसपुर विधान सभा क्षेत्र में बरसात के दौरान नदी, नालों के उफान पर आने हुए नुकसान को रोकने के लिए स्थाई समाधान करने का निर्देश विधायक सहदेव पुंडीर ने जिलाधिकारी को दिए। कहा कि बाढ़ सुरक्षा कार्य नहीं होने से हर साल कृषि भूमि का कटाव हो रहा है। ग्रामीणों के साथ डीएम कार्यालय पहुंचे विधायक ने कहा कि सहसपुर विधान सभा के ग्रामीण क्षेत्रों में बरसाती नालों से हर साल स्थानीय बाशिंदों को नुकसान झेलना पड़ता है। नालों के उफान पर आने से मलबा और पानी आवासीय बस्तियों में घुस जाता है, जिससे लोगों के घरों में रखा सामान बर्बाद हो जाता है। इसके साथ ही भूकटाव से बस्तियों को खतरा भी पैदा हो गया है। बताया कि हर साल सैकड़ों बीघा कृषि भूमि बरसाती नालों के कारण भूकटाव की जद आ जाती है, जिससे ग्रामीणों पर भूमिहीन होने का खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने डीएम को भूकटाव का स्थाई समाधान करने का निर्देश दिया।भूकटाव का स्थलीय निरीक्षण किया: लगातार हो रही बारिश के कारण ठाकुरपुर– श्यामपुर क्षेत्र में भूकटाव का विधायक ने गुरुवार को स्थलीय निरीक्षण किया। भूकटाव की स्थिति गंभीर न हो इसके लिए संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। इस दौरान अर्चना छेत्री, दर्शन सिंह रावत, सती देवी, आनंद थापा, उषा सेमवाल, नीतू, रेखा थापा आदि मौजूद रहे।

पोस्टर में नेहा, कविता में खुशी ने मारी बाजी

रुद्रप्रयाग : अटल उत्कृष्ट राइका ऊखीमठ में सीमांत पर्वतीय जनपद बाल विज्ञान ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विकासखंड के सभी विद्यालयों के 150 से अधिक बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं में पोस्टर में नेहा राणा खुमेरा प्रथम, प्राची राउंलेक द्वितीय व ईशा फाटा तृतीय रहीं। विज्ञान प्रश्नोत्तरी में हंशिका, ममता और ईशा प्रथम रहीं। कविता पाठन हिंदी में खुशी ल्वारा प्रथम, आस्था ऊखीमठ द्वितीय, हिमांशी कन्या हाईस्कूल ऊखीमठ तृतीय रहीं। कविता पाठन अंग्रेजी में प्रेरणा नारायणकोटी प्रथम, आस्था राउंलेक द्वितीय, सृष्टि ऊखीमठ तृतीय रहीं।

अब चार सितंबर से होगा प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र की पहल पर ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान गोपेश्वर के माध्यम से जनपद चमोली के युवाओं हेतु 13 दिवसीय हेयर सैलून प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। पहले बैच में चमोली जनपद के 23 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसमें से अधिकतर युवाओं ने हेयर ड्रेसर का काम शुरू कर दिया है। दूसरे बैच का प्रशिक्षण शुक्रवार से प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से यह प्रशिक्षण अब 4 सितम्बर से प्रारम्भ किया जाएगा। इसके लिए पंजीकरण प्रारम्भ हो गए है।

पंजीकरण की अन्तिम तिथि 2 सितम्बर निर्धारित की गई है। प्रशिक्षण आरसेटी, जीरे बैंड गोपेश्वर में दिया जा रहा है। अभ्यर्थियों को निःशुल्क आवास, भोजन, ड्रेस व आने—जाने का किराया भी प्रदान किया जा रहा है। इच्छुक अभ्यर्थी सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी या आरसेटी गोपेश्वर कार्यालय के दूरभाष नम्बर 7830693071, 9105101440 पर सम्पर्क का अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

हरिपुर कोटी इच्छाडी व चकराता लाखामंडल सहित जौनसार बावर के 21 मोटर मार्गों पर यातायात रहा ठप

विकासनगर। बारिश और भूस्खलन होने से गुरुवार को जौनसार बावर की 21 सड़कें कई घंटें तक बंद रहीं। सड़कों के बंद होने से लोगों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ीं। प्रशासन की ओर से जेसीबी लगाकर ज्यादातर सड़कों से मलबा हटवाया गया। इसके चलते दोपहर बाद ज्यादातर सड़कें खोल दी गईं। अन्य मार्गों को खोलने का काम जारी है। पिछले दो माह से लगातार हो रही बारिश के चलते जौनसार बावर की सड़कें लगातार एक के बाद एक बंद हो रही हैं। गुरुवार को कालसी चकराता मोटर मार्ग पर सुबह के समय जजरेट में मलबा आने के कारण बंद रहा। वहीं हरिपुर कोटी इच्छाडी मीनस, चकराता लाखामंडल मोटर मार्ग सहित 21 मोटर मार्गों पर दोपहर बाद तक यातायात बंद रहा। बंद रहे अन्य मोटर मार्गों में पुरोडी रावना डामटा, माखटी पोखरी ककनोई, टुंगरा, रोहटा खड्ड अटाल, क्यारा पुल कोटा, जगथान, प्यूनल, घ्वेरा देऊ कोठा सैंज चंदेऊ बोसान, विकासनगर के बिन्हार क्षेत्र में लांघा मटोगी, साहिया समाल्टा, लक्सर लुधेरा मार्ग बंद रहे। इन मोटर मार्गों के बंद रहने से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से लडखडा गयी है। यातायात व्यवस्था ठप रहने के कारण क्षेत्र के किसान जहां अपनी नगदी फसलों को मंडी तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं। वहीं किसानों की फसलें बर्षात के कारण खेतों में खराब होने से किसानो को नुकसान उठाना पड़ रहा है। एसडीएम चकराता युक्ता मिश्र का कहना है कि लोनिवि चकराता, साहिया, पीएमजीएसवाई कालसी को जेसीबी लगाकर मार्गों को खुलवाने के निर्देश दिए गये हैं, जिसमें कई मार्ग दोपहर तक खोल दिए गये हैं, लेकिन लगातार हो रहे भूस्खलन के कारण मार्ग बार–बार बंद हो रहे हैं।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एम्स मेडिकल कॉलेज के 42 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया। उन्होंने आगे भी जीवन के संरक्षण के लिए जरूरतमंदों की मदद के लिए रक्तदान का संकल्प लिया। शुक्रवार को एम्स के ट्रॉमा सेंटर स्थित ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद रोगियों को समय–समय पर पड़ने वाली रक्त जैसी जरूरतों को पूरा करना व अमूल्य जीवन को बचाना है। शिविर के माध्यम से लोगों में जागरूकता लानी जरूरी है। रक्तदान शिविर के लिए लगभग 50 एमबीबीएस स्टूडेंट्स ने अपना पंजीकरण कराया, इनमें से 42 लोगों द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया गया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने उत्तराखण्ड बोर्ड की हाईस्कूल की परीक्षा राजकीय इंटर कॉलेज कुम्भीचौड़ से वर्ष 2009 में अनुक्रमांक 0059279 से, इण्टरमीडिएट की परीक्षा राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार से वर्ष 2011 में अनुक्रमांक 205032 से उत्तीर्ण की। 13 अगस्त 2023 को खोह नदी के उफान पर आने के कारण मेरा मकान बह गया। मेरे हाईस्कूल, इंटरमीडिएट की अंक तालिका, प्रमाण पत्र नदी के बहाव में मकान के साथ बह गए है।

दिनेश सिंह रावत पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह रावत निवासी विकासनगर गाड़ीघाट, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(1267/21)

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान सिविल जज महोदय कोटद्वार गढ़वाल
दीवानी वाद संख्या- 91 सन् 2023
श्रीमती सतेश्वरी देवी आदि - वादीगण
-बनाम-
आम जनता आदि - प्रतिवादीगण

समन बनाम - आम व खास जनता

चूंकि उपरोक्त वादीगण ने एक वाद वादिनी संख्या-1 के पति, वादिनी संख्या 2 व 3 के पिता तथा वादिनी संख्या-4 के पुत्र आरक्षी नं0 50519 विक्रम सिंह पुत्र स्व0 सुरेन्द्र सिंह डी0 कम्पनी 40 वाहिनी, पी0ए0सी0, हरिद्वार उत्त-राखण्ड निवासी ग्राम व पोस्ट खेड़ा तल्ला, तहसील यमकेश्वर जिला पौड़ी गढ़वाल को मृत्युकल्पित घोषित किये जाने हेतु दायर किया है, लिहाजा आम व खास जनता को सूचित किया जाता है कि जिस किसी को उक्त वाद के सम्बन्ध में आपत्ति हो, वह दिनांक 27.09.2023 को बवक्त 10 बजे दिन मेरे न्यायालय में असालतन या वकालतन उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। वाद तारीख उपरोक्त में एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत के आज दिनांक 11-08-2023 को जारी किया गया।

मुन्सरिम/रीडर
सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कोटद्वार (गढ़वाल)
(1266/13)

उत्तर रेलवे

G20 — आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि 05/07/2022 हैं। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल **IREPS** पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, केडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या, दिनांक कार्य का नाम	**140-DRM-MB-23-24, 24.08.2023** Zone no. HW-1 (HW) Aithal to Rishikesh (Excl. Aithal) of service building, residential building (Excl. Aithal) and staff quarter at Haridwar for general road and wood work under ADEN/HW
अनुमानित लागत	1,08,41,294.32
धरोहर राशि	2,04,200.00
टेन्डर संख्या, दिनांक कार्य का नाम	**141-DRM-MB-23-24, 24.08.2023** Zone No. HW-2 (DDN) :- Dehradun to Raiwala (Excl. RWL) of service building and Dehradun to Raiwala (Excl. DDN & RWL) of residential building and staff quarters at Dehradun for general road and wood work under ADEN/HW
अनुमानित लागत	1,32,78,006.17
धरोहर राशि	2,16,400.00
टेन्डर संख्या, दिनांक कार्य का नाम	**142-DRM-MB-23-24, 24.08.2023** Zone No. HW-3 (JP) :- Oak Grove School Jharipani of service buildings and residential buildings for general road and wood work under ADEN/HW
अनुमानित लागत	1,32,90,753.26
धरोहर राशि	2,16,500.00
टेन्डर संख्या, दिनांक कार्य का नाम	**143-DRM-MB-23-24, 24.08.2023** Zone No. HW - 4 (YNRKSH) :- Virbhadra to Yognagri Rishikesh (Excluding Virbhadra) of service buildings and residential buildings for general road and wood work under ADEN/HW.
अनुमानित लागत	62,84,622.43
धरोहर राशि	1,25,700.00
टेन्डर संख्या, दिनांक कार्य का नाम	**144-DRM-MB-23-24, 24.08.2023** Zone no. RK-1(RK):- Laksar to Baliyakheri (Excluding LRJ) of service building, residential building and staff quarters at Laksar for general road and wood work under ADEN/RK
अनुमानित लागत	1,08,85,892.99
धरोहर राशि	2,04,400.00
टेन्डर संख्या, दिनांक कार्य का नाम	**145-DRM-MB-23-24, 24.08.2023** Zone No. RK - 2 (LRJ) :- Fazalpur to Laksar (1500 to 1538) and Laksar to Aithal (00 to 09) of service building, residential building for general road and wood work under ADEN/RK
अनुमानित लागत	41,94,045.01
धरोहर राशि	83,900.00

टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	19.09.2023, 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	05.09.2023
ऑफर की वैधता	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	30.06.2024

नं.: 74-W/2/3/WA/Publicationn दिनांक: 09.06.2022 **2640/23**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

गंगा की निर्मलता को चिंतन, मंथन और त्वरित एक्शन जरूरी

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में गंगा के प्रति जागरूकता हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। वक्ताओं ने प्रतिभागियों से गंगा की महत्ता को दूर दूर तक पहुंचाने व विभिन्न जगहों पर गंगा आरती से जुड़ने का आह्वान किया। शुक्रवार को कार्यशाला का शुभारम्भ परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती, नमामि गंगे के सलाहकार जगमोहन गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि भारत की नदियों को उनका स्वभाविक अविरल और निर्मल प्रवाह सुलभ हो, यह नितांत आवश्यक है। इस पर चिंतन, मंथन और त्वरित एक्शन की जरूरत है।

धरती के सौन्दर्य की कल्पना नदियों के बिना नहीं की जा सकती। इसलिये जन जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन अत्यंत आवश्यक है। जल की हर बूंद में जीवन है, इसलिये उसका उपयोग भी उसी प्रकार करना होगा। हमारी अर्पण, तर्पण और समर्पण की संस्कृति है।

जल हमारे जीवन का आधार, आस्था और विकास की प्रमुख धारा है। सलाहकार नमामि गंगे जगमोहन गुप्ता ने कहा कि गंगा सबको साथ लेकर चलती है, वैसे ही हमें सभी को साथ लेकर चलना है। गंगा केवल पांच राज्यों से ही होकर नहीं गुजरती, बल्कि गंगा बेसिन के माध्यम से 11 राज्यों, पंच प्रयाग व गंगा बेसिन आदि रूपों में न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया इससे जुड़ी हुई है। हम गंगा से आस्था से जुड़ें और नदियों को बचाने का संकल्प लें, क्योंकि नदियों को बचाना हम सभी का दायित्व है। इस दौरान विभिन्न राज्यों के साधकों ने कार्यशाला में शिरकत की।

सतीश को मिलेगा राष्ट्रीय पुरस्कार

रुद्रप्रयाग : चोपता निवासी सतीश उर्फ बिट्टू को लघु फिल्म पाताल-ती में बेस्ट सिनेमाटोग्राफी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयनित होने पर चोपता बाजार में स्थानीय लोगों ने खुशी जताई। साथ ही आतिशबाजी कर मिष्ठान वितरण किया। इस दौरान क्षेत्रीय लोगों ने उन्हें बधाई दी। इस मौके पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं गढ़वाल विवि के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अमित प्रदाली, सामाजिक कार्यकर्ता मानविरेंद्र बर्त्वाल ने कहा कि सतीश ने बेहतर वीडियोग्राफी कर अपने हुनर का तो प्रर्दशन किया ही है साथ में क्षेत्र का नाम भी रोशन किया है। राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयनित होना अपने आप में गौरव की बात है।

कार्यालय- ग्रा. प्रधान/ग्रा.प्र.वि अधि. किरसाल विकासखण्ड-थलीसैंण, पौड़ी गढ़वाल

पत्रांक : मैमो/आर.जी.एस.ए./पं. भवन 2023-2024 | दिनांक :- 25/08/2023

अल्पकालिक निविदा/कोटेशन सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उत्तराखण्ड सरकार की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु शील्ड निविदायें आमंत्रित की जाती है, निविदा प्रपत्र दि. 04/09/2023 से 05/09/2023 तक किसी भी कार्य दिवस में 10 बजे पूर्वाहन से 04 बजे सायं तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में निर्धारित शुल्क देकर प्राप्त किये जा सकते है, तथा दिनांक 06.09.2023 को अपराहन 2:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में निविदा बॉक्स में निविदा डाली जा सकती है, निविदा प्रपत्रों को दि. 06.09.2023 में अपराहन बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष ग्राम प्रधान/ग्रा.प.वि.अधि. किरसाल के कार्यालय में निविदा खोलने हेतु गठित समिति द्वारा खोली जायेगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू.) में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.) में	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	ठेकेदार की पंजीकृत श्रेणी	अनु. लागत
1	आर.जी.एस.ए. योजना के अन्तर्गत ग्रा.प. किरसाल में पंचायत भवन निर्माण।	20,000.00	1000+18% GST	06 माह	15 दिन	डी एवं उच्चतर	10.00 लाख

1. निविदा प्रपत्र के साथ वांछित धरोहर राशि एन.एस.सी./बैंक एफ.डी.आर./पोस्ट आफिस पास बुक के रूप में जो के ग्रा.प. किरसाल के पदनाम बन्धक हो ही मान्य होगी। 2. निविदा प्रपत्र के साथ 100.00 (एक सौ रू.) का स्टाम्प पेपर एवं रू. 1.00 का हस्ताक्षर युक्त रसीद टिकट हो, वैधता की शर्तों के लाना अनिवार्य है इसके बिना निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। 3. निविदा की शर्त जी.पी.डब्ल्यू-8, जी.पी.डब्ल्यू-9, निविदा प्रपत्र 69/70 के अनुसार होगी, एवं निविदा की अन्य शर्तें/नियम निविदा प्रपत्र प्राप्त कर देखी जा सकती है। 4. किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

नोटः- निविदा प्रपत्र क्रय करते समय ठेकेदारों को पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना पड़ेगा।

ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
किरसाल विकासखण्ड थलीसैंण
(पौड़ी गढ़वाल)

सम्पादकीय

आयुष्मान में भी धोखाधड़ी

हर व्यक्ति तक सहज सुलभ स्वास्थ्य व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए सरकारी नीतियां तो बहुत बनती है लेकिन योजनाओं का लाभ लेने के दौरान कुछ ऐसे फर्जीवाड़ों से जुड़े प्रकरण भी सामने आते हैं जो सरकारी योजनाओं की व्यवस्थाओं को कटघरे में ला खड़ा करती हैं। देश के प्रत्येक नागरिक के लिए पांच लाख रुपए तक का निशुल्क स्वास्थ्य उपचार "अटल आयुष्मान योजना" के तहत प्रावधान रखा गया है। देश के लोगों के लिए आयुष्मान योजना एक संजीवनी साबित हुई है और करोड़ों लोग इस योजना का लाभ उठा रहे हैं। हालांकि आयुष्मान कार्ड का प्रयोग सरकारी अस्पतालों के अतिरिक्त चंद निजी अस्पतालों में ही मान्य है और कई बड़े नामी अस्पतालों ने इसे अपने संस्थानों में स्वीकार नहीं किया है। आयुष्मान कार्ड को लेकर फर्जीवाड़े के न जाने कितने ही मामले सामने आ चुके हैं जिम पूर्व में कुछ अस्पतालों द्वारा फर्जी बिलों का भुगतान कर सरकार को चूना लगाने का प्रयास किया गया। हालांकि जांच के बाद ऐसे कई अस्पताल चिन्हित किए गए और उन्हें आयुष्मान के तहत उपचार करने के लिए काली सूची में डाल दिया गया। साथ ही ऐसे अस्पतालों से रिकवरी भी की गई, लेकिन पूरी तरह से त्रुटि रहित प्रक्रिया बन ही नहीं पाई। आयुष्मान कार्ड को लेकर अब एक और नया प्रकरण सामने आया है जिसमें उत्तराखंड के नामी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए उत्तर प्रदेश के फर्जी आयुष्मान कार्ड इस्तेमाल किए गया हैं।

फर्जी आयुष्मान कार्ड के प्रयोग से लोगों ने इलाज तो करा लिया, लेकिन अस्पतालों द्वारा भुगतान के लिए बिल भेजे जाने पर उत्तर प्रदेश सरकार ने इनका भुगतान नहीं किया। कहा गया कि यह कार्ड फर्जी हैं और इनका भुगतान नहीं किया जा सकता। उत्तराखंड के कुछ अस्पतालों ने इस प्रकरण के बाद उत्तर प्रदेश के मरीजों का आयुष्मान कार्ड से इलाज फिलहाल बंद कर दिया है, जिससे उत्तर प्रदेश के असली आयुष्मान कार्ड धारकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। चंद्र लोगों की धोखाधड़ी की कीमत वास्तविक जरूरतमंद चुका रहे हैं। आयुष्मान कार्ड की व्यवस्था ऐसे लोगों की मदद के लिए शुरू की गई है जो महंगा उपचार करने में असमर्थ है लेकिन इसका जिस प्रकार से दुरुपयोग किया जा रहा है वह बेहद शर्मनाक है। जिस व्यवस्था का लाभ गरीबों को मिलना चाहिए उसे कुछ धोखेबाज लोगों ने फर्जीवाड़े का अड्डा बनाते हुए पैसे कमाने शुरू कर दिए हैं। आयुष्मान कार्ड के गलत प्रयोग से केवल अस्पताल ही नहीं बल्कि सरकार को भी लाखों करोड़ों रुपए का चूना लगाया जा चुका है। आयुष्मान कार्ड से उपचार के लिए अभी भी व्यवस्था में व्यापक सुधार की जरूरत है और इसके प्रयोग को सरल बनाने के साथ-साथ इसमें पारदर्शिता का भी खास तौर से ध्यान रखना होगा। ऐसा नहीं होना चाहिए कि जरूरतमंदों को सरकार की इस महत्वाकांक्षी अटल आयुष्मान योजना का लाभ ही ना मिल पाए और बिचौलिए फर्जी कार्डों के माध्यम से अस्पतालों के साथ सांठ गांठ कर अपनी जेब भरते रहे हैं। आयुष्मान में फर्जीवाड़े को लेकर सरकार को तत्काल अलग से एक जांच एजेंसी "एसआईटी" की तर्ज पर गठित कर आरोपियों को जेल के पीछे भेजना चाहिए। जब तक ऐसे फर्जीवाड़े करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी तब तक जरूरतमंदों के हक पर दूसरे लोग सेंध मारते ही रहेंगे, फिर चाहे वे स्वयं अस्पताल ही क्यों ना हों।

नए संविधान की बात पर विवाद क्यों ?

ध्यान रह उस समय देश में गठबंधन की सरकारों का दौर था और केंद्र से लेकर राज्यों तक राजनीतिक अस्थिरता थी। उसका हवाला देकर वाजपेयी ने कहा था कि केंद्र और राज्य, दोनों जगहों पर स्थायित्व की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसके अलावा उन्होंने सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए लोगों की आकांक्षाओं का हवाला भी दिया था। क्षेत्रीय व सामाजिक असंतुलन को खत्म करने के लिए नई व्यवस्था बनाने की जरूरत भी बताई थी। और साथ ही यह भी स्पष्ट किया था कि संविधान समीक्षा आयोग मौजूदा संविधान के बुनियादी ढांचे और इसके आदर्शों व मूल भावनाओं से कोई छेड़छाड़ नहीं करेगा। विपक्ष का ने यह कहते हुए इसका विरोध किया कि भाजपा संविधान बदल कर अपनी पसंद का संविधान बनाना चाहती है। इस आधार पर विपक्ष ने इस आयोग में शामिल होने से इनकार कर दिया।

अजीत द्विवेदी

भारत के संविधान में सौ बार से ज्यादा संशोधन हो चुके हैं। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में जैसे ही संविधान समीक्षा या उस पर विचार करने या नया संविधान बनाने की बात होती है वैसे ही विवाद शुरू हो जाता है। जाने माने आर्थिक जानकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार समिति के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय ने एक लेख लिख कर यह विचार जाहिर किया कि अब संविधान को बदलने का समय आ गया है। उन्होंने "देयर इज अ केस 'फॉर वी द पीपल' टु एंब्रेस अ न्यू कॉन्स्टिट्यूशन" शीर्षक से अंग्रेजी के अखबार 'द मिंट' में लेख लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि भारत में एक नया संविधान अपनाने का आधार दिख रहा है और इस बारे में विचार किया जाना चाहिए।

उनके इतना कहते ही देश के लोगों का एक बड़ा समूह उनके ऊपर टूट पड़ा। सोशल मीडिया में उनको गिरफ्तार करने की मांग शुरू हो गई। कहा जाने लगा कि वे संविधान विरोधी हैं और संविधान को नष्ट करना चाहते हैं। हैरानी की बात यह है कि ऐसा कहने वाले ज्यादातर लोग सेकुलर और उदार लोकतांत्रिक व्यवस्था में यकीन करने वाले लोग हैं। ऐसे लोग जिनको लगता है कि भाजपा के मौजूदा राज में लोकतंत्र खत्म हो रहा है और वाक व अभिव्यक्ति की आजादी छीनी जा रही है वे सब कहने लगे की देबरॉय की जुबान बंद की जाए। सोचें, यह कैसी हिप्पोक्रेसी है?

इस समूह ने देबराय का इतना ज्यादा विरोध किया कि उनको कहना पड़ा कि यह लेख उन्होंने निजी हैसियत से लिखा है और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति का इससे कोई लेना देना नहीं है। इससे पहले सन 2000 की फरवरी में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने संविधान समीक्षा आयोग का गठन किया था और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस एमएन वेंकटचलैया को उसका अध्यक्ष बनाया था। आयोग में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज जस्टिस बीपी जीवन रेड्डी, जस्टिस आरएस सरकारिया, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप, हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस के पुन्नैया, भारत सरकार के पूर्व अटॉर्नी जनरल के परासरन, लोकसभा के पूर्व स्पीकर पीए संगमा और जाने-माने कानूनविद् सोली सोराबजी सहित 10 सदस्य बनाए गए थे। आयोग का कार्यकाल पहले एक साल था। बाद में इसे एक साल के लिए और बढ़ाया गया।

ध्यान रह उस समय देश में गठबंधन की सरकारों का दौर था और केंद्र से लेकर राज्यों तक राजनीतिक अस्थिरता थी। उसका हवाला देकर वाजपेयी ने कहा था कि केंद्र और राज्य, दोनों जगहों पर स्थायित्व की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसके अलावा उन्होंने सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए लोगों की आकांक्षाओं का हवाला भी दिया था। क्षेत्रीय व सामाजिक असंतुलन को खत्म करने के लिए नई व्यवस्था बनाने की जरूरत भी बताई थी। और साथ ही यह भी स्पष्ट किया था कि संविधान समीक्षा आयोग मौजूदा संविधान के बुनियादी ढांचे और इसके आदर्शों व मूल भावनाओं से कोई छेड़छाड़ नहीं करेगा। विपक्ष का ने यह कहते हुए इसका विरोध किया कि भाजपा संविधान बदल कर अपनी पसंद का संविधान बनाना चाहती है। इस आधार पर विपक्ष ने इस आयोग में शामिल होने से इनकार कर दिया।

इस बार बिबेक देबरॉय ने 23 साल के बाद उन्हीं तर्कों के आधार पर कहा है कि भारत में नए संविधान की जरूरत है। उन्होंने बदली सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक परिस्थितियों का हवाला दिया है और साथ ही पिछले 73 साल में संविधान में हुए बदलावों का भी हवाला दिया है। उन्होंने कहा है कि भारत की जनता ने 1950 में जो संविधान अपनाया था, मौजूदा संविधान वैसा ही नहीं रह गया है। इसमें एक सौ से ज्यादा संशोधन हुए हैं। उनका मानना है कि सारे संशोधन सिर्फ अच्छे के लिए नहीं हुए हैं। याद करें इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी के समय जो संशोधन कराए थे। हालांकि बाद में मोरारजी देसाई की सरकार ने उनमें से ज्यादातर प्रावधानों को वापस बहाल कर दिया था। देबरॉय ने नए संविधान की जरूरत पर जोर देते हुए यह भी कहा है कि सुप्रीम कोर्ट का 1973 का बेसिक स्ट्रक्चर वाला फैसला मौजूदा संविधान में संशोधन पर लागू होता है, नए संविधान के ऊपर नहीं।

देबरॉय ने अपनी बात को मजबूती देने के लिए 'यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो लॉ स्कूल' के एक अध्ययन का हवाला दिया है और कहा है कि उसने कई देशों के लिखित संविधानों का अध्ययन किया, जिससे पता चला कि उनकी औसत आयु सिर्फ 17 साल रही है। जबकि भारत में 1950 में अपनाया गया संविधान अब 73 साल का हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा है कि भारत का संविधान काफी हद तक गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 पर आधारित है। इस तरह यह भी उपनिवेश के दिनों से जुड़ा है। बिबेक देबरॉय ने सन 2000 में हुए प्रयास की याद दिलाई है लेकिन साथ ही कहा है कि उस समय जो प्रयास हुआ था वह आधे अधूरे मन से किया गया था। पिछले दिनों आईपीसी, सीआरपीसी और इविडेंस एक्ट में बदलाव के जो तीन बिल आए हैं उनकी ओर इशारा करते हुए देबरॉय ने अपना निष्कर्ष बताया और कहा- कानूनी बदलाव के कई पहलुओं की तरह, यहां-वहां कुछ बदलाव करने से बात नहीं बनेगी। हमें इस बात पर विचार करना होगा कि 2047 में भारत को कैसे संविधान की जरूरत है। हम लोगों को एक नया संविधान बनाना होगा।

अब सवाल है कि अगर बिबेक देबरॉय ने नया संविधान बनाने की जरूरत बताई तो इस पर इतनी हायतौबा मचाने की क्या जरूरत है? अभी कोई नया संविधान नहीं बन रहा है। अभी विचार के स्तर पर एक बात आई है। इस पर वस्तुनिष्ठ तरीके से चर्चा होनी चाहिए कि मौजूदा समय और परिस्थितियों के मुताबिक देश को नए संविधान की जरूरत है या नहीं। अगर नहीं है तो नया संविधान नहीं बनेगा। लेकिन अगर जरुरत है तो बनाया जाना चाहिए। मुश्किल यह है कि बिबेक देबरॉय के विचार का विरोध बहुत सतही और कुछ हद तक राजनीतिक कारणों से किया जा रहा है। यह कहा जा रहा है कि देबरॉय के जरिए सरकार ने एक पत्थर उछाल कर प्रतिक्रिया देखने का प्रयास किया है। यह डर दिखाया जा रहा है कि सरकार संविधान को बदल कर राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की विचारधारा वाला संविधान ला देगी। विरोध का एक बड़ा आधार यह है कि इस संविधान को डॉ. भीमराव अंबेडकर ने बनाया है, जिसे सरकार बदलना चाहती है।

सोचें, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने बनाया है इसलिए इसे हमेशा सीने से चिपकाए रखना है चाहे वह कितना भी अप्रासंगिक क्यों न हो जाए? हालांकि भारत का संविधान अप्रासंगिक नहीं हुआ है लेकिन डॉक्टर अंबेडकर के नाम वाले तर्क का अर्थ यही है कि कुछ भी हो जाए इसे नहीं बदला जा सकता। महात्मा गांधी की बात बदली जा सकती है, पंडित नेहरू का किया बदला जा सकता है लेकिन डॉक्टर अंबेडकर का किया नहीं बदला जा सकता है, यह एक नए किस्म का नस्लवाद है, जिसे वोट की राजनीति के नाम पर बढ़ावा दिया जा रहा है। डॉक्टर अंबेडकर का नाम लेकर समाज के दलित, पिछड़ों, वंचितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों को यह डर दिखाया जा रहा है कि संविधान में उनको जो समानता का अधिकार मिला है या आरक्षण का अधिकार मिला है वह छीन लिया जाएगा। जबकि हकीकत यह है कि मौजूदा या किसी भी सरकार में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह आरक्षण को हाथ लगा दे। उलटे सारी सरकारें आरक्षण बढ़ाने में लगी हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने भी गरीब सवर्णों को आरक्षण देकर 10 फीसदी आरक्षण बढ़ा दिया। समानता, स्वतंत्रता सहित कोई भी मौलिक अधिकार कोई सरकार नहीं छीन सकती है। लेकिन राजनीतिक नफा-नुकसान को ध्यान में रख कर नए संविधान के विचार का विरोध किया जा रहा है।

इस विचार का विरोध इस आधार पर भी हो रहा है कि इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नया संविधान लाना चाहते हैं। जैसे उन्होंने नई संसद भवन बनवाई या नए कानून बनवा रहे हैं उसी तरह नया संविधान बनाएंगे। यह भी कहा जा रहा है कि नए संविधान के जरिए संसदीय प्रणाली को बदल कर अध्यक्षीय प्रणाली को लागू कर दिया जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कई बदलावों में सरकार की मंशा संदिग्ध है। फिर भी ये सारे खतरे अनुमानित हैं, जिनका कोई ठोस आधार नहीं है। देश की आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक परिस्थितियां बदली हैं। दुनिया बदली है। आबादी की संरचना बदली है। इन बदली परिस्थितियों में बिबेक देबरॉय के सुझाव पर वस्तुनिष्ठ तरीके से विचार किया जाना चाहिए।

ड्रैगन फ्रूट के हैं गजब के फायदे, जानें किन बीमारियों से रखता है दूर

फल और सब्जियां अच्छी सेहत का राज होता हैं. हम सेब, के ला, आम, अमरूद जैसे फल खाते ही रहते हैं, लेकिन सभी फलों मे सारे गुण नहीं मिलते हैं ऐसे में एक फल है जिसमें कई गुण पाएं जाते हैं जो सेहत के लिए काफी लाभकारी होता है. ड्रेगन फ्रूट खाने में जितना टेस्टी होता है उतनी ही शरीर के लिए फायदेमंद होता है. ड्रेगन फ्रूट की बाहरी परत लाल रंग की होती है और अंदर का गूदा सफ़ेद या गुलाबी रंग का होता है. इसमें विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, फाइबर, कैरोटीन, और अंटिओक्सिडेंट्स से भरपूर पोषण तत्व मौजूद होते हैं जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों में सहायक होता है. आइए आपको ड्रैगन फ्रूट्स के कई फायदों के बारे में बताते हैं.

यहां देखें ड्रेगन फ्रूट के फायदे :

* पौष्टिकताः ड्रेगन फ्रूट में विटामिन सी, आयरन, कैल्शियम, और फास्फोरस जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं.

* अंटिओक्सिडेंट प्रॉपर्टीज़ः यह फल अंटिओक्सिडेंट से भरपूर है जो शरीर में फ्री रेडिकल्स को नष्ट करते हैं.

* पाचनः ड्रेगन फ्रूट में डायटरी फाइबर होता है जो पाचन में मदद करता है और कब्ज से राहत दिलाता है.

* चर्बी कम करनाः इसमें लो-कैलोरी और हाई-फाइबर होता है, जिससे यह वजन घटाने में मदद कर सकता है.

* ट्वाइप 2 मधुमेहः कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि ड्रेगन फ्रूट मधुमेह के प्रभाव को नियंत्रित कर सकता है.

* हृदय के लिए लाभकारीः इसमें ओमेगा-3 और ओमेगा-9 फैटी एसिड्स होते हैं जो हृदय की सेहत के लिए अच्छे होते हैं.

* त्वचा के लिए लाभकारी : विटामिन सी और अंटिओक्सिडेंट्स की मौजूदगी से यह त्वचा को स्वस्थ रखता है और जल्दी बुढ़ापे के लक्षणों को दिखने से रोकता है.

* अनियमियाः इसमें से लोहा प्राप्त होता है, जो रक्त के निर्माण में महत्वपूर्ण होता है और अनियमिया को दूर करने में मदद करता है.

* प्रतिरोधात्मक प्रणालीः विटामिन सी की उचित मात्रा के कारण यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ता है.

* हड्डियांः इसमें कैल्शियम और फास्फोरस की मौजूदगी हड्डियों को मजबूती प्रदान करती है.

थाईलैंड का करतबी नेता थाकसिन!

श्रुति व्यास

थाकसिन शिनवात्रा उस दौर में थाईलैंड के लोकलुभावन नेता थे जब लोकलुभावन बातें करने का फैशन नहीं था। वे एक पुलिस अधिकारी से टेलिकॉम सेक्टर के शहंशाह बने और फिर राजनीतिज्ञ। थाकसिन शिनवात्रा ने एक पार्टी बनाई झ थाई रेक थाई (थाई लोग थाई लोगों से प्यार करते हैं) झ और वे बहुत जल्दी गांवों में रहने वाले गरीबों और दबे-कुचलों में लोकप्रिय हो गए। सन् 2001 में उन्होंने एक बड़ी चुनावी जीत के जरिए सत्ता हासिल की। लेकिन 2006 में सेना ने उनका तख्ता पलट दिया और वे देश छोडक़र जाने को मजबूर हो जाए। लेकिन उनकी लोकप्रियता कायम रही।

थाकसिन का कार्यकाल आर्थिक समृद्धि और बेहतरी के लिए जाना जाता है। उन्होंने ऐसी नीतियां लागू कीं जिनसे ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों का जीवन स्तर बेहतर हुआ। उन्होंने सबके लिए स्वास्थ्य देखभाल योजना लागू की, विकास को प्रोत्साहन देने के लिए गांव के स्तर पर धन उपलब्ध करवाया और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली योजनाएं लागू कीं जिनसे देश को एशियाई आर्थिक संकट से उबरने में सहायता मिली। उनके कार्यकाल में ही थाईलैंड आईएमएफ का ऋण तय तारीख से पहले चुकाने में सफल रहा। वे जनता में सबसे अधिक लोकप्रिय थे किन्तु देश के दो प्रमुख सत्ता केन्द्र झ सेना और राजपरिवार झ उन्हें नापसंद करते थे।

इसका नतीजा यह हुआ कि वे दिन पर दिन बाटों और राज करों की की पैतरेबाजी करने लगे। थाकसिन और सेना व राज परिवार में उनके विरोधियों के बीच टकराव हुआ। थाईलैंड एक बंटा हुआ देश बन गया। राजनैतिक उथलपुथल शुरू हुई। उनके कंजऱवेटिव आलोचकों ने उन पर भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरूपयोग के आरोप लगाए। उन

पर सिद्धांतहीन होने और राजवंश को ज़रूरी इज़्ज़त न देने का आरोप भी लगा। यह भी कहा गया कि उनसे राजपरिवार की सत्ता को खतरा है।

तभी सेना ने दो बार तख्तापलट कर सत्ता कब्जाई। अदालतों ने बार-बार राजनीतिक दलों को भंग किया। कई नेताओं के राजनीति में भाग लेने पर पाबंदी लगा दी गई। लंबे समय तक बैंकाक की सडक़ों पर विरोध प्रदर्शन होते रहे। सेना की कार्यवाहियों में थाकसिन के 90 से अधिक समर्थक मारे गए।

थाकसिन को 2006 में हुए तख्तापलट में सेना ने सत्ता से हटाया। फिर वे कानूनी कार्यवाहियां से बचने के लिए 2008 में देश छोड़ बाहर जा बसे। लेकिन देश से बाहर रहने के बावजूद उनका प्रभाव बना रहा। सन् 2001 के बाद हुए हर चुनाव में उनसे जुड़ी पार्टियों ने सबसे ज्यादा सीटों पर जीत हासिल की झ केवल इस साल हुए चुनाव को छोडक़र, जब लोकतंत्र समर्थक मूव फारवर्ड पार्टी ने सभी को चौंकाते हुए सबसे अधिक वोट हासिल किए। लेकिन जीत के बावजूद सेना की धांधली के चलते मूव फारवर्ड, सरकार नहीं बना सकी। काफी गतिरोध और अनिश्चितता के दौर के बाद 22 अगस्त को श्रेथा थाविसिन, जो प्रॉपर्टी के बड़े व्यवसायी और थाकसिन की फेऊथाई पार्टी के उम्मीदवार थे, को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। सीधे शब्दों में सेना और थाकसेन की पार्टी के बीच 'साझा सर्वसम्मति' बनी ताकि नए दौर का प्रतिनिधित्व करने वाली मूव फारवर्ड पार्टी (हालांकि वह फिलहाल मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई है) को राजनीति और सत्ता से दूर रखा जा सके।

थाकसिन, जो पहले सत्ता प्रतिष्ठान के आलोचक थे, ने दो सबसे बड़े फौजी दलों से गठबंधन कर लिया है। उन्होंने ठीक वही किया है जिसे कभी न करने की कसम फेऊ थाई ने खाई थी। 22 अगस्त को ही झ जिस दिन नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति की गई झ थाकसिन ने 15 साल के निवार्सन के बाद थाईलैंड की भूमि पर कदम रखा। आते ही उन्होंने पहला काम सम्राट की प्रतिमा के सामने सर झुकाने का किया। उसके बाद उन्हें लंबे समय पहले लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया गया, जिसमें उन्हें आठ साल की जेल की सजा सुनाई जा चुकी है। लेकिन अनुमान है कि उन्हें शीघ्र ही सम्राट द्वारा क्षमादान दे दिया जाएगा।

78 वर्षीय थाकसिन का कहना है कि वे थाईलैंड इसलिए वापस आए हैं ताकि वे अपने नाती-पोतों के साथ रह सकें। लेकिन नई सरकार के गठन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका, उसके बाद उनका वापस आना, और 'सम्राट के क्षमादान' की अपेक्षा झ इन सबसे उनकी राजनीति और सत्ता में वापसी के संकेत मिलते हैं।

हालांकि थाकसेन को आज भी पहले जितना समर्थन हासिल है, विशेषकर बुजुर्गों और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों का झ जो विमानतल पर भी देखा गया, किंतु ऐसे बहुत से लोग हैं जो उनकी अवसरवादिता से नाराज हैं। कुछ समर्थकों का कहना है कि वे समझते हैं कि पिछले तख्तापलट के बाद खड़ी की गई चुनावी बाधाओं से पार पाने के लिए पार्टी का यह करना जरूरी था। दूसरा मत यह है कि यह इस बात का संकेत है कि पार्टी ने अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को त्याग दिया है, और यह सवाल भी पूछा जा रहा है कि क्या यह कदम थाकसिन के वापस आने के लिए किए गए समझौते का एक हिस्सा है?

लेकिन लोगों को उनकी वापसी से बहुत उम्मीदें हैं। उनका आर्थिक समृद्धि हासिल करने का रिकार्ड है, इसलिए थाईयों को आशा है कि उनकी पार्टी सेना के चंगुल में नहीं फंसेगी और सोच-समझकर, बिना डरे अपने पूरे कार्यकाल तक सरकार चलाएगी। परन्तु एक समस्या यह है कि थाई लोगों के पास अब विकल्प है। मूव फारवर्ड ने युवाओं में काफी लोकप्रियता हासिल कर ली है और वह थाईलैंड का सबसे लोकप्रिय दल बन गया है। तभी देखना है कि थाकसेन की पार्टी, जो पहले सबसे लोकप्रिय थी, अपना पुराना समर्थन दुबारा हासिल कर पाएगी या नहीं। या फिर मूव फारवर्ड पार्टी अपने युवा प्रमुख के नेतृत्व में थाईयों के लिए एक नई आशा की किरण बनेगी। कुछ भी हो थाईलैंड की राजनीति, जो पहले अनिश्चितातापूर्ण थी, थाकसिन शिनात्रा की वापसी के अब दिलचस्प हो गई है क्योंकि पहले से बनी हुई विभाजन की स्थिति अब और अधिक विभाजित होने जा रही है।

सिर दर्द होने पर क्या आप भी तुरंत खा लेते हैं दवा, ऐसा करना हो सकता है खतरनाक, जान लीजिए इसके नुकसान

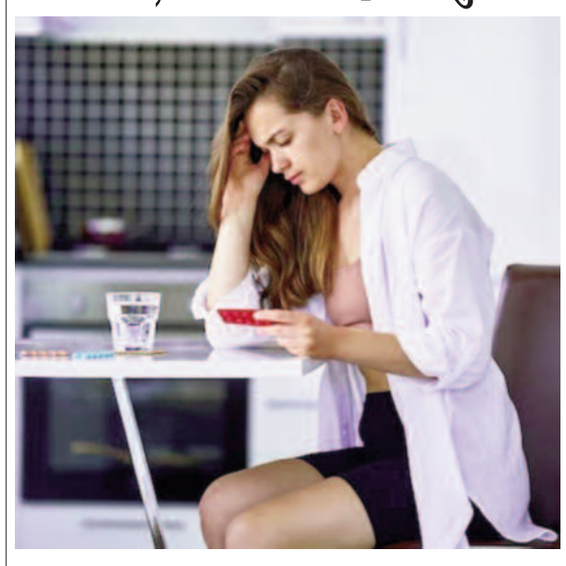

अक्सर देखा गया है कि सिरदर्द होने पर लोग तुरंत जाकर ओवर द काउंटर दवाओं का सेवन कर लेते हैं. हल्का सा दर्द होने भी तुरंत पेनकिलर खा लेते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिरदर्द होते ही पेनकिलर खाना खतरनाक हो सकता है. इससे कई तरह के नुकसानदायक भी हो सकते हैं. सिरदर्द होने पर किसी तरह का पेनकिलर तुरंत खाने से आराम तो मिल सकता है लेकिन लंबे समय के लिए यह गंभीर समस्याएं भी पैदा कर सकता है. इसलिए कभी भी सिर में दर्द होने पर तुरंत दवा खाने से बचना चाहिए. आइए जानते हैं इसके क्या नुकसान हो सकते हैं...

सिरदर्द होने पर तुरंत क्यों नहीं खानी चाहिए दवा

हेडेक से आराम पाने के लिए ज्यादातर लोग तुरंत पेनकिलर लेकर खा जाते हैं. ओवर द काउंटर दवाईयों का सेवन एक लिमिट में ही सुरक्षित होता है. बहुत ज्यादा या अक्सर ही पेनकिलर या कोई दवा खाने से गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं. बिना डॉक्टर की सलाह दवा खाकर खरीदने की आदत भी गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है. इससे शरीर में कई तरह के साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं.

सिरदर्द में तुरंत दवा खाने के नुकसान

1. दवाओं के ओवरडोज से पेट नर्वस सिस्टम और शरीर की इम्यूनिटी को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है.

2. इसकी वजह से पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे दर्द, सूजन और अपच हो सकता है.

3. सिरदर्द में बहुत ज्यादा पेनकिलर खाने से लिवर और किडनी जैसे आंतरिक अंगों पर बुरा असर पड़ सकता है.

4. दवा खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी खत्म हो सकती है.

5. सिरदर्द में बहुत ज्यादा पेनकिलर खाना दिल से जुड़ी गंभीर बीमारियां पैदा कर सकता है. इससे हार्ट अटैक का खतरा भी हो सकता है.

6. सिरदर्द होने पर अगर अक्सर पेनकिलर खाते हैं तो इसकी वजह से पेट का अल्सर भी हो सकता है.

विदेशी मेहमानों के लिए 'मल्टीलेयर सिक्योरिटी' कवर

72 घंटे पहले पहुंचेगा अमेरिकी सीक्रेट सर्विस का दस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। 'जी20' शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली पहुंचने वाले विभिन्न राष्ट्रों के अध्यक्ष और सरकार के प्रमुखों को अचूक सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। विदेशी मेहमानों की सुरक्षा के लिए 'मल्टीलेयर सिक्योरिटी' कवर तैयार किया गया है। इसमें भारतीय सेना, केंद्रीय अर्धसैनिक बल, एनसीजी कमांडो और दिल्ली पुलिस की टीमें शामिल रहेंगी। सभी बलों को सुरक्षा की अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति 'जो बाइडेन' की सुरक्षा में तैनात 'अमेरिकी सीक्रेट सर्विस' का दस्ता जी20 की बैठक शुरु होने से 72 घंटे पहले ही दिल्ली पहुंच जाएगा। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को विशेष सुरक्षा व्यवस्था के घेरे में रखा जाएगा। प्रगति मैदान स्थित नव निर्मित 'स्टेट ऑफ आर्ट कंवेंशन कॉप्लेक्स', विभिन्न रूट, होटल और उन सभी स्थलों पर अमेरिकी सीक्रेट सर्विस का दस्ता पहुंचेंगा, जहां पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पहुंचेंगे। इसी कड़ी में दूसरे मुल्कों की खुफिया एजेंसियां एवं राष्ट्र अध्यक्ष या सरकार के प्रमुख को सुरक्षा प्रदान कर रही सिक्योरिटी इकाई भी पांच या छह सितंबर को दिल्ली पहुंच जाएंगी।

बता दें कि ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी20) में 19 देश (अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका) और यूरोपीय संघ शामिल हैं। इनमें से कई देश जैसे अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस के राष्ट्रपति/प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए कई दिन पहले ही एक टीम दिल्ली पहुंच जाएगी। इससे पहले भी जब कभी किसी महाशक्ति या बड़े देश का कोई राष्ट्र अध्यक्ष दिल्ली आया है तो उसके साथ विशेष सुरक्षा दस्ता भी कई दिन पहले ही दिल्ली पहुंचा गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति 'जो बाइडेन', चीनी राष्ट्रपति 'शी जिनपिंग' और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री 'ऋषि सुनक' सहित अन्य मेहमानों को ठहराने के लिए होटलों का चयन कर लिया गया है।

राष्ट्रपति जो बाइडेन, आईटीसी मौर्य होटल की 14 वीं मंजिल पर स्थित प्रेजिडेंशियल सुइट में ठहरेंगे। उस मंजिल और होटल के नीचे तक 'अमेरिकी सीक्रेट सर्विस' का दस्ता मौजूद रहेगा। सुइट में कौन से बिजली उपकरण चालू रहेंगे और कौन से नहीं, ये सब सीक्रेट सर्विस तय करती है।कमरे में पहले से लगे फोन, बैल और वाटर सप्लाई के कुछ यंत्र हटाए जा सकते हैं। राष्ट्रपति का अपना संचार सिस्टम रहता है। उनके कमरे के आसपास बिजली कनेक्शन की जाँच भी सीक्रेट सर्विस करती है। पावर सप्लाई की व्यवस्था को किस तरह से संचालित करना है और जनरेटर सैट की कनेक्टिविटी, ये सब भी सीक्रेट सर्विस दस्ता तय करता है। आईटीसी मौर्य होटल की 14 वीं मंजिल पर जाने के लिए खास लिफ्ट लगी है। इसे सप्ताह भर पहले ही सुरक्षा बल अपनी निगरानी में ले लेते हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग जो कि ताज पैलेस होटल में ठहरेंगे, वहां पर भी मल्टीलेयर सिक्योरिटी रहेगी।

जहां पर भी राष्ट्र अध्यक्ष या प्रधानमंत्री ठहरेंगे, वहाँ की सुरक्षा किसी एक एजेंसी के हाथ में नहीं रहेगी। कम से कम तीन एजेंसियों को वह जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। जैसे रात के समय दिल्ली पुलिस के साथ सीएपीएफ का दस्ता मौजूद रहेगा। इनके अलावा एनएसजी कमांडो भी तैनात रहेंगे। रूट के दौरान भी अलग-अलग सुरक्षा बलों की टीम मौजूद रहेगी। नाइट हाल्ट, रूट, राजघाट और बैठक स्थल पर कई बलों को सुरक्षा का ज़िम्मा दिया गया है।चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ताज पैलेस होटल में ठहरेंगे, जबकि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक होटल शांगरी-ला में रुकेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों क्लेरिजेस होटल में ठहरेंगे तो वहीं आस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज के लिए होटल इंपीरियल बुक कराया गया है। किस मेहमान को कौन सा भोजन परोसा जाएगा, वह लिस्ट कई पहले अमेरिकी सहित दूसरे मुल्कों की सुरक्षा एजेंसियों के साथ साझा की जाती है। आईबी की सलाह पर यह तय किया गया है कि कौन सा मेहमान किस होटल में ठहरेगा।

विदेशी मेहमानों की अचूक सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ द्वारा ग्रेटर नोएडा स्थित, वीआईपी सिक्योरिटी ट्रेनिंग सेंटर में 1000 'रक्षकों' का विशेष दस्ता तैयार किया जा रहा है। देश के विभिन्न हिस्सों से सीआरपीएफ के 50 ट्रेनर, रक्षकों को तैयार करने में जुटे हैं। इन रक्षकों की लगभग 50 टीमें बनाई जाएंगी। इसके अलावा करीब तीस सौ बुलेटप्रूफ वाहन तैयार कराए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, सीआरपीएफ के वीआईपी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में जिन एक हजार जवानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, वे सामान्य कर्मी नहीं हैं। इनमें वे सभी जवान शामिल हैं, जो पूर्व में वीआईपी सुरक्षा का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने एसपीजी और एनएसजी जैसी सुरक्षा यूनिटों के साथ काम किया है। ये सभी जवान, विदेशी राष्ट्रध्यक्षों और सरकार के प्रमुखों के 'कारकेड' में चलेंगे। दूसरे स्थलों पर इन्हें सुरक्षा की अहम जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इन्हीं में से कुछ ड्राइवरों को भी ट्रेनिंग दी जा रही है। सीआरपीएफ के ट्रेनिंग सेंटर पर दिल्ली पुलिस को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

ट्रेनिंग सेंटर पर जवानों को 'कारकेड' से लेकर 'होटल' तक विदेशी मेहमानों की सुरक्षा का दायित्व सौंपा जाएगा। इन्हें उसी तरीके प्रशिक्षित किया जा रहा है। होटल या बैठक स्थल से निकलने के बाद वीआईपी को गाड़ी तक कैसे पहुंचाना है। उस वक्त सुरक्षा को लेकर जितने भी प्रोटोकॉल होते हैं, उनके बारे में बताया जा रहा है। गाड़ी में कैसे बैठना है, कोई घटना होती है तो उस वक्त सुरक्षा का कौन सा फार्मूला इस्तेमाल करना है, खतरे का आभास हो तो विदेशी मेहमान की सुरक्षा कैसे करनी है, आदि बातें सिखाई जा रही हैं। बीच रास्ते अगर गाड़ी में कोई तकनीकी खराबी आ जाए तो उस दौरान पहले, दूसरे व तीसरे नंबर वाले स्पेयर वाहन की स्थिति क्या रहेगी। कौन सी गाड़ी में विदेशी मेहमान को शिफ्ट किया जाएगा। मतलब, वीआईपी को किस तरह से 360 डिग्री डिफेंस प्रदान करनी है, ये सब ट्रेनिंग का हिस्सा है। यह ट्रेनिंग छह सितंबर तक चलती रहेगी। इसके बाद रिहर्सल होगी। विदेशी मेहमान जिस होटल में ठहरेंगे, वहां पर नाइट सिक्योरिटी के लिए अलग अलग सुरक्षा बलों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। किसी भी जगह की जिम्मेदारी, एक सुरक्षा बल के पास नहीं रहेगी। जैसे नाइट हॉल्ट के दौरान बॉर्डर गॉर्डिंग फोर्स के साथ दिल्ली पुलिस का दस्ता रहेगा।

सूत्रों के मुताबिक, प्रगति मैदान में दिल्ली पुलिस के साढ़े चार हजार जवान तैनात रहेंगे। खास बात ये है कि इनमें से कोई भी वर्दी में नहीं होगा। वे सभी जवान सूट बूट में होंगे और उनकी आंखों पर काला चश्मा रहेगा। इन जवानों को विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। इसके अलावा दिल्ली पुलिस ने 1300 जवानों को प्रगति मैदान के बाहर तैनात करने की योजना बनाई है। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला और दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा समेत अन्य शीर्ष अफसरों की बैठक में इन सभी तथ्यों पर चर्चा हो चुकी है।दिल्ली पुलिस के ऐसे जवान, जिन्हें प्रगति मैदान के बाहर तैनात किया जाएगा, वे सभी वर्दी में रहेंगे। इसके साथ ही ट्रैफिक पुलिस के 400 जवान, प्रगति मैदान और उसके आसपास रहेंगे। दिल्ली पुलिस की साढ़ चार सौ पीसीआर, विभिन्न जगहों पर तैनात होंगी। साथ ही पचास से अधिक एंबुलेंस और अग्निशमन की गाड़ियां भी आयोजन स्थल के आसपास खड़ी रहेंगी।

40 सालों में ग्रीस की यात्रा करने वाले मोदी बने पहले भारतीय प्रधानमंत्री

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। शुक्रवार को एथेंस पहुंचते ही नरेंद्र मोदी 40 वर्षों में ग्रीस की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधान मंत्री बन गए। यह मोदी की ग्रीस की पहली यात्रा भी है।

एक्स पर प्रधान मंत्री ने कहा, एथेंस पहुंचा हूं। भारत-ग्रीस मित्रता को गहरा करने के मकसद से यह एक उपयोगी ग्रीस यात्रा होगी। मैं प्रधानमंत्री कैरियाकोस मितसोताकिस के साथ बातचीत करूंगा। साथ ही भारतीय समुदाय के लोगों के साथ भी बातचीत करूंगा।

साथ ही एक ट्वीट में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि मोदी ने ग्रीस की अपनी पहली यात्रा के लिए ऐतिहासिक शहर एथेंस में कदम रखा है। हवाई अड्डे पर वित्त मंत्री जॉर्ज गेरापेत्रिटिस ने गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान व्यापारिक समुदाय, भारतीय प्रवासियों और प्रमुख हस्तियों के साथ भी बातचीत करेंगे।

तेलंगाना में भूकंप के झटके महसूस किए गए

हैदराबाद ,(एजेंसी)। तेलंगाना के वारंगल से 127 किमी पूर्व में शुक्रवार को भूकंप के मध्यम झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.6 तीव्रता मापी गयी।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार भूकंप आज सुबह लगभग 04.43 बजे राज्य के वारंगल से 127 किलोमीटर पूर्व में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केन्द्र 18.04 अक्षांश और 80.80 देशांतर पर तथा सतह से में 30 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था।भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं है।

पीएम ने युवा जीएम की प्रशंसा की, कहा , प्रगनानंदा पर गर्व है

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अजरबैजान के बाकू में फिडे शतरंज विश्व कप में उपविजेता रहने के लिए युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू प्रगनानंद की सराहना की।

भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर आर. प्रगनानंद बुधवार को फिडे विश्व कप में उपविजेता रहे। 18 वर्षीय शतरंज स्टार ने हालांकि कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में अपनी सीट पक्की कर ली, जो अगले वर्ष कनाडा में होगा।

फिडे विश्व कप में प्रगनानंद का प्रदर्शन शानदार रहा। फाइनल मैच के टाई-ब्रेकर में प्रगनानंद दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी और पूर्व विश्व चैंपियन नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से हार गए।

पीएम मोदी ने 'एक्स' पर प्रगनानंद की सराहना की है। उन्होंने लिखा, हमें फिडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए प्रगनानंद पर गर्व है! उन्होंने अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया और फाइनल में कार्लसन को कड़ी टक्कर दी। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। उन्हें आगामी टूर्नामेंटों के लिए शुभकामनाएं।

खून से सनी प्रेम कथा: 20 साल बाद जेल से बाहर आएंगे मधुमिता शुक्ला के हत्यारे

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। कवियत्री मधुमिता शुक्ला हत्याकांड के दोषियों को समय से पहले रिहा करने के आदेश पर उत्तर प्रदेश सरकार को देश की शीर्ष अदालत ने नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही दोषियों की रिहाई को बरकरार रखा गया है।

9 मई 2003 को लखीमपुर खीरी की 24 वर्षीय कवियत्री मधुमिता शुक्ला की हत्या कर दी गई। मधुमिता के लखनऊ के पेपर मिल कॉलोनी स्थित घर में उस दिन दो बंदूकधारी घुसे थे। दोनों ने मधुमिता को गोली मार कर हत्या कर दी। हत्याकांड की गूंज पूरे उत्तर प्रदेश में फैली थी।

बंगाल सरकार ने राज्य दिवस समारोह को लेकर चर्चा के लिए सभी दलों को बुलाया

कोलकाता ,(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार ने पोइला बोइशाख (बंगाली नव वर्ष) पर राज्य दिवस मनाने को लेकर चर्चा करने के लिए 29 अगस्त को एक बैठक बुलाई है जिसमें सभी दलों को आमंत्रित किया गया है, यहां तक कि बिना किसी विधायक वाले दल को भी।एक कैबिनेट सदस्य ने कहा, अभी, पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस, भाजपा और ऑल इंडिया सेक्युलर फ्रंट के प्रतिनिधि हैं। चूंकि यह राज्य की भावनाओं से जुड़ा एक बड़ा मुद्दा है, इसलिए हमने राज्य में मौजूद अन्य सभी मान्यता प्राप्त और क्षेत्रीय दलों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित करने का फैसला किया है।उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार सभी पंजीकृत राजनीतिक दलों के साथ आम सहमति के बाद पोइला बोइशाख पर राज्य दिवस मनाने के निर्णय पर आगे बढ़ने के पक्ष में है।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को आमंत्रित करने का राज्य सरकार का निर्णय भाजपा को अलग-थलग करने का एक कदम था, यह देखते हुए कि भाजपा ने पहले ही पोइला बोइशाख पर राज्य दिवस मनाने का विरोध जताया था।बीजेपी ने कहा है कि यह पश्चिम बंगाल के इतिहास को विकृत करने की कोशिश है।

भगवा पार्टी 20 जून को पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस मनाना पसंद करती है।इस साल राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस के आने के बाद राज्य सरकार और राजभवन के बीच खींचतान चल रही है। गवर्नर हाउस परिसर में पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस मनाया गया था।

अपने नवजात की हत्या के आरोप में असम की महिला गिरफ्तार

गुवाहाटी ,(एजेंसी)। असम के बिश्वनाथ जिले में एक महिला को जन्म के कुछ ही घंटों बाद अपने नवजात बच्चे की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

यह घटना बंदोर जोंगहोल गांव में हुई और आरोपी की पहचान अनवारा खातून के रूप में हुई। उसे गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के मुताबिक, खातून ने अपने घर के पास बच्चे को दफनाने का भी प्रयास किया था। लेकिन पड़ोसियों ने उसे देख लिया और पुलिस को सूचना दे दी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और मां और बच्चे दोनों को अस्पताल भेजा। लेकिन डॉक्टरों ने शिशु को मृत घोषित कर दिया।

लोकसभा चुनाव: परिवार को भी सहेजने में जुटे अखिलेश यादव

'मुलायम फैमिली' के सदस्य इन सीटों पर ठोक सकते हैं ताल

लखनऊ, एजेंसी। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने "पीडीए" (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के साथ ही उन सीटों पर फोकस बढ़ाया है जिनमें परिवार के सदस्य लड़ते हैं।अखिलेश का खास फोकस समाजवादियों का गढ़ रही व पिछले चुनाव में बहुत कम वोटों से हार वाली सीटों पर है। इनके जरिए सपा मुखिया परिवार को भी सहेजने में लग गए हैं। अखिलेश को समझ में आ गया है कि थोड़ी से मेहनत कर इन सीटों पर फिर से कब्जे में किया जा सकता है।अखिलेश के इस्तीफा देने से रिक्त हुई आजमगढ़ लोकसभा सीट के उपचुनाव में सपा ने पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव को मैदान में उतारा था किंतु वे चुनाव हार गए थे। अब धर्मेंद्र को फिर से उनकी पुरानी सीट बदायूं से चुनाव लड़ाने की तैयारी है।

खुद अखिलेश यादव पिछले दिनों बदायूं लोकसभा सीट की समीक्षा बैठक में इसके संकेत दे चुके हैं। फिरोजाबाद लोकसभा सीट से प्रो. रामगोपाल यादव के पुत्र अक्षय यादव मैदान में उतरेंगे। इसका खुलासा खुद चाचा शिवपाल सिंह यादव ने पिछले दिनों फिरोजाबाद में हुए लोक जागरण अभियान के दौरान कर दिया था।

उन्होंने अक्षय के साथ अपनी तस्वीर इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करते हुए लिखा..."इस बार ये चाचा फिरोजाबाद संसदीय चुनाव में अक्षय की विजय निमित्त बनेंगे।" वर्ष 2019 के चुनाव में अक्षय 28 हजार वोटों से शिवपाल यादव के कारण ही चुनाव हार गए थे।

शिवपाल उस समय अखिलेश से नाराज चल रहे और उन्होंने इस सीट से अपनी पार्टी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़कर 91 हजार से अधिक वोट पाए थे।

कन्नौज से अखिलेश यादव खुद चुनाव मैदान में उतरेंगे। अखिलेश ने पिछले चुनाव में यहां से अपनी पत्नी डिंपल को मैदान में उतारा था किंतु वह 12 हजार वोटों से चुनाव हार गईं थीं।अखिलेश यह जानते हैं कि इस सीट पर थोड़ी से मेहनत करने से यह सीट फिर उनके कब्जे में आ सकती है। यही वजह है कि जब भी अखिलेश को मौका मिलता है वे कन्नौज प्रचार के लिए पहुंच जाते हैं।

आजमगढ़ से शिवपाल यादव के चुनाव लड़ने के संकेत मिल रहे हैं। शिवपाल लगातार आजमगढ़ व जौनपुर को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। मुलायम सिंह के निधन से रिक्त हुई मैनपुरी लोकसभा सीट का उपचुनाव जीतने वाली डिंपल यादव फिर इसी सीट से चुनाव लड़ेंगी।

राहुल गांधी को बार-बार चीन से प्यार क्यों आता है : भाजपा

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के चीन के पक्ष में दिए गए बयान को लेकर कठघरे में खड़ा करते हुए सवाल पूछा कि राहुल गांधी को बार-बार चीन से प्यार क्यों आता है? डोकलाम युद्ध के दौरान राहुल गांधी चीन के राजदूत के साथ खाना खाते हैं और उनके परिवार के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू चीन की सेना को खाना पहुंचाते हैं। राहुल गांधी हिन्दी चीनी भाई-भाई का प्यार से लेकर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ हुए उनकी पार्टी के समझौते को सार्वजनिक करें। सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी और पंडित नेहरू के चीन से प्रेम पर तंज कसते हुए कहा कि उस जमाने में हिन्दी चीनी भाई-भाई का प्यार था और आज के जमाने में उस प्यार का इकरार है। उन्होंने कहा कि भारत की सबसे पुरानी पार्टी और पंडित नेहरू खानदान के 53 वर्षीय युवा यानी सतत युवा राहुल गांधी जी आदतन और फितरतन भारत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और चीन के बारे में आधारहीन और अनर्गल बयान देने की आदी हो गए हैं।

उन्होंने राहुल गांधी को नसीहत दी कि उन्हें को राष्ट्रीय हित के मुद्दे पर पर भारतीय जनता पार्टी से सीखने का प्रयास करना चाहिए और इस तरह की अनर्गल बातें करने से बचना चाहिए।सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि चीन के साथ कांग्रेस सरकार के रिश्ते और भारतीय जनता पार्टी के रिश्ते को स्पष्ट करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद 2020 में चीन के थिंक टैंक ने कहा था कि तियानमेन स्क्वायर नरसंहार के दौर के बाद आज चीन कूटनीतिक तौर पर उस समय की तरह ही विश्व में अलग-थलग पड़ रहा है। ये बातें चीन के लोग कह रहे हैं परन्तु यह समझ से परे है कि राहुल गांधी को चीन की बातों पर इतना प्यार क्यों उमड़ पड़ता है?

राहुल गांधी पर कांग्रेस पार्टी और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ हुए करार के तहत वक्तव्य देने का आरोप लगाते हुए त्रिवेदी ने सवाल उठाया कि क्या यह चीन की सरकार द्वारा राजीव गांधी फाउंडेशन को मिले हुए दान का अहसान है या चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ हुए करार का इकरार है? क्या इस कारण राहुल गांधी भारत सरकार से तकरार करने को तैयार रहते हैं? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि लोगों ने मुझे बताया है। सवाल उठता है कि ये बताने वाले लोग कौन हैं? सच्चाई यह है कि वे स्वतः बेनकाब हो रहे हैं, क्योंकि राहुल गांधी ने चीन के कम्युनिस्ट पार्टी के साथ हुए करार की जानकारी नहीं दी थी। उस समझौते के बारे में चीन से फोटो जारी की गयी थी। इसी तरह डोकलाम युद्ध के समय में राहुल गांधी चीन के राजदूत के साथ रात्रि भोज कर रहे थे। राहुल गांधी ने इसकी जानकारी लोगों को नहीं दी थी। चीन ने इसकी भी तस्वीर जारी कर लोगों को बताया था।

त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी के परिवार का चीन से पुराना रिश्ता रहा है। जहाँ डोकलाम युद्ध के समय राहुल गांधी चीन के राजदूत के साथ खाना खाते हैं, वहीं पंडित जवाहर लाल नेहरू ने अपने प्रधानमंत्रित्व काल में चीन की फौज को खाना और रसद भी पहुंचायी थी।

अफसरों की ट्रांसफर पोस्टिंग मामले में सुप्रीमकोर्ट पहुंची दिल्ली सरकार, केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। केंद्र सरकार के दिल्ली सेवा (विधेयक) कानून के खिलाफ आम आदमी पार्टी की सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। दिल्ली सरकार की याचिका पर कोर्ट ने उस याचिका को संशोधित करने की अनुमति दे दी है, जिसमें उसने 19 मई के सेवा अध्यादेश की वैधता को चुनौती दी थी। सेवा अध्यादेश अब कानून बन चुका है।

केंद्र के नए हृष्टञ्जष्ठ (संशोधन) कानून, 2023 संसद के दोनों सदनों से पास हो चुका है और राष्ट्रपति से भी इसकी मंजूरी मिल गई है। यह कानून केंद्र सरकार को दिल्ली सरकार में नौकरशाहों पर नियंत्रण देता है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री दिल्ली में, शाह से मिले

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और राज्य की स्थिति पर चर्चा की, जहां जातीय हिंसा हुई थीं।

यह बैठक बीती रात को हुई। सूत्रों ने बताया कि बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री को मौजूदा स्थिति से अवगत कराया और संघर्षग्रस्त राज्य से संबंधित कई मुद्दों पर भी चर्चा की।

सूत्रों ने बताया कि सिंह ने शाह को विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों से भी अवगत कराया।

सिंह ने बैठक से पहले संवाददाताओं से कहा, राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार हो रहा है। मैं यहां गृह मंत्री से सलाह लेने आया हूं। अधिकारियों ने बताया कि सिंह अपने कुछ कैबिनेट सहयोगियों और पार्टी विधायकों के साथ गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे।

सूत्रों ने यह भी बताया कि शाह जल्द ही राज्य के नागरिक समाज संगठनों के साथ बैठक कर सकते हैं।

मणिपुर में 3 मई को जातीय संघर्ष भड़क उठा और तब से अब तक सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है जबकि हजारों लोगों को राहत शिविरों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

विपक्षी कांग्रेस मौजूदा स्थिति के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहरा रही है और बीरेन सिंह को बर्खास्त करने की मांग कर रही है।

गोवा रिसॉर्ट में महिला से रेप के आरोप में शख्स गिरफ्तार

पणजी ,(एजेंसी)। उत्तर गोवा के असोनोरा में एक रिसॉर्ट में एक महिला से बलात्कार के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान 47 वर्षीय लक्ष्मण शियार के रूप में हुई है, जो गुजरात का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि उसे गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) जिवबा दलवी ने कहा कि 23 अगस्त को पीड़िता की ओर से एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें कहा गया था कि एक फ्लाइट में यात्रा करते समय वह गुजरात के लक्ष्मण शियार नाम के एक व्यक्ति के संपर्क में आई, जो बाद में दोस्ताना हो गया। व्यक्ति ने महिला का मोबाइल नंबर भे ले लिया।पुलिस ने बताया कि जब महिला टूर पर गोवा में थी।

कुल्लू-मंडी हाईवे पर फंसे वाहन चालकों के सब्र का टूटा बांध

पंडोह (एजेंसी)। कुल्लू-मंडी एनएच पर पंडोह डैम और कैंची मोड़ के पास 4 दिनों से फंसे सैंकड़ों वाहन चालकों के सब्र का बांध शुक्रवार को टूट गया और सभी ने इका होकर एनएचएआई के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। वाहन चालकों ने एनएचएआई को चेतावनी दी है कि अगर जल्द सडक़ को बहाल नहीं किया तो वे भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे। दरअसल ये सभी चालक 4 दिन पहले फल-सब्जियां व अन्य सामग्री लेकर कुल्लू-मनाली जा रहे थे कि पंडोह डैम के साथ लगते कैंची मोड़ के पास सडक़ बंद हो गई, जिसके बाद से अब तक ये यहीं फंसे हैं। इन 4 दिनों में वाहन चालक पहाडिय़ों से गिर रहे पत्थरों से अपनी किसी तरह हिफाजत करते रहे हैं और वाहनों को भी नुक्सान हुआ है लेकिन अब इनका गुस्सा फूट गया है। विरोध के बाद डीसी अरिदम चौधरी एनएचएआई के प्रोजैक्ट डायरैक्टर वरुण चारी के साथ मौके पर पहुंचे और सभी ड्राइवरों के साथ बात करके जल्द सडक़ बहाल करने का भरोसा दिलाया। डीसी ने मौके पर ही एनएचएआई के अधिकारियों को जल्द से जल्द सडक़ बहाल करने के निर्देश भी जारी किए।कैंची मोड़ के पास पहले ही हाईवे पूरी तरह से कट गया था जिसके चलते प्रशासन ने पंडोह डैम के पास से एक वैकल्पिक मार्ग बनाया था लेकिन अब वह भी बंद हो गया है। इसके साथ ही जिस फोरलेन पर ये वाहन खड़े थे वह भी अब एक तरफ से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है, ऐसे में इन वाहन चालकों को ज्यादा खतरा उत्पन्न हो गया है। यही कारण है कि वाहन चालक अब एनएचएआई के खिलाफ धरना देकर सडक़ बहाली की मांग कर रहे हैं।पंडोह डैम से लेकर पंडोह की तरफ 150, कैंची मोड़ के पास 150 जबकि मून होटल से लेकर हणोगी की तरफ 400 से ज्यादा वाहन फंसे हुए हैं। हालांकि वाहन चालकों को प्रशासन और स्थानीय लोगों से पूरा सहयोग मिल रहा है ।

बीच मैदान में बाबर आजम ने खोया आपा

नई दिल्ली, बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मैच 1 विकेट से जीत लिया। इस मैच में पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम ने बल्ले से अर्धशतकीय पारी खेलकर कई रिकॉर्ड्स को धवस्त किया। भले ही मैच में जीत हासिल करने के बाद बाबर एंड कंपनी को जीत क जश्न मनाते हुए देखा गया होगा, लेकिन सोशल मीडिया पर बाबर आजम (की एक वीडियो काफी वायरल हो रही है, जिसमें बाबर आजम मैदान पर गुस्से में नजर आ रहे है। आइए जानते हैं ये पूरा माजरा क्या है?

बीच मैदान मोहम्मद नबी को गुस्से में दिखाई उंगली

दरअसल, पाकिस्तान और अफगानिस्तान (ढअङ५२ ऑ) के बीच खेला गया दूसरा वनडे मैच काफी रोमांचक रहा। एक समय लग रहा था कि अफगानस्तिान इस मैच को जीत जाएगा, लेकिन नसीम शाह ने अतिम ओवर में 10 रन की अहम पारी खेलकर पाकिस्तान को जीत दिलाई।मैच का आखिरी ओवर काफी ड्रॉमे से भरपूर रहा, क्योंकि अफगानी प्लेयर फजलहक फारूकी नॉन–स्ट्राइकर छोर पर शादाब खान को रन आउट (मांकडिंग) कर दिया था। क्रिकेट के नियम के अनुसार, ये रन आउट सही था, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तानी क्रिकेटर्स अफगानिस्तान टीम के खिलाड़ियों से नाखश लग रहे थे।

मैच समाप्त होने के बाद बाबर आजम को मोहम्मद नबी के साथ बहस करते हुए देखा गया। इस दौरान बाबर ने नबी को उंगली तक दिखाई।

विश्व चैम्पियनशिप के प्रीक्वार्टर फाइनल में पहुंची त्रिसा–गायत्री की जोड़ी

नई दिल्ली,भारत के सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने बुधवार को केनेथ झे हुई चू और मिंग चुएन लिम की आस्ट्रेलियाई जोड़ी पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष डबल्स के प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।महिला डबल्स में भारतीय त्रिसा जाली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे की चांग चिंग हुई और यांग चिन टुन की जोड़ी पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर तीसरे दौर में प्रवेश किया।सात्विक और चिराग की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी ने पिछले चरण में पहला कांस्य पदक जीता था।उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंद्वियों को 30 मिनट में 21–16 21–9 से शिकस्त दी। राष्ट्रमंडल खेलों की मौजूदा चैंपियन जोड़ी का सामना अब इंडोनेशिया के लियो राली कार्नांडो और डेनियल मार्तिन की 10वीं वरीय जोड़ी से होगा। इससे पहले गायत्री और त्रिसा की दुनिया की 19वें नंबर की जोड़ी को पहले दौर में बाई मिली थी।उन्होंने 37वीं पर काबिज चांग और यांग की जोड़ी को 38 मिनट में 21–18 21–10 में हराया।

मैच विनिंग पारी खेलने के बाद नसीम शाह हुए इमोशनल, कहा– काश मेरी मां आज ये देखती

नई दिल्ली, पाकिस्तान टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2–0 से अजेय बढ़त बना ली है। दूसरे वनडे मैच को पाकिस्तान ने एक गेंद शेष रहते हुए 1 विकेट से अपने नाम किया।

रोमांचक मैच में पाकिस्तान टीम के लिए नसीम शाह के बल्ले से विनिंग चौका निकला। ये दूसरा मौका रहा जब अफगानिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान के खिलाफ नसीम शाह रियल हीरो बनकर आए।

इस मैच के बाद जहां हर खिलाड़ी जीत का जश्न मना रहा था तो नसीम शाह की आंखें मन दिखी। वह मैच के बाद भावुक दिखे और उन्होंने अपनी मां को याद करते हुए एक बयान दिया।

पाकिस्तान की जीत के बाद हुए भावुक, मां को किया याद

दरअसल, नसीम शाह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के दूसरे मैच में नाबाद 10 रन बनाकर लौटे, जिसमें दो चौके शामिल रहे। ये चौके आखिरी ओवर में आए, जिसमें एक विनिंग चौका शामिल रहा।

मैच खत्म होने के बाद जब हर कोई जीत के जश्न में डूबा था तो नसीम शाह को उनकी अम्मी की याद सताने लगी। नसीम ने कैमरामैन को कहा कि काश आज मेरी अम्मी देख सकतीं, मैं अभी कुछ बोल नहीं पा रहा हूं।

पाकिस्तान ने दूसरे वनडे में 1 विकेट से जीता मुकाबला

दरअसल, दूसरे वनडे मैच में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम की 200 प्लस साझेदारी के दम पर 300 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। गुरबाज ने 151 रन की यादगार पारी खेली तो इब्राहिम ने 80 रन बनाए। इसके जवाब में पाकिस्तान टीम ने 49.5 ओवर में ये मैच 1 विकेट से जीत लिया। शादाब खान को मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया।

विश्व कप 2023 के लिए चुनी अपनी पसंदीदा भारतीय टीम

नई दिल्ली, 2023 एशिया कप 2023 के आगाज में अब महज 5 दिन का समय बाकी रहता है। 30 अगस्त से इस टूर्नामेंट का आगाज होना है, जिसके लिए भारतीय टीम का एलान हो चुका है। एशिया कप के लिए चुनी गई 17 सदस्यीय टीम में केएल राहुल और श्रेयस अय्यर की वापसी हुई है।

तो लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और ऑफ स्पिनर आर अश्विन को टीम में जगह नहीं मिली। इस भारतीय टीम से विश्व कप के लिए चुनी जाने वाली 15 सदस्यीय टीम की झलक लगभग साफ हो गई है।

इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली ने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत करते हुए अपनी पसंदीदा 15 सदस्यीय टीम का चयन किया है। आइए जानते हैं गांगुली ने विश्व कप क लिए भारतीय टीम में किसे जगह दी और किसे नजरअंदाज किया।

चुनी अपनी पसंदीदा 15 सदस्यीय भारतीय टीम

दरअसल, पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने 15 सदस्यीय भारतीय टीम का एलान किया है, जिसमें उन्होंने संजू सैमसन, तिलक वर्मा, युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन को टीम में जगह नहीं दी।

सौरव गांगुली ने अपनी पसंदीदा टीम में कप्तान रोहित शर्मा और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को ओपनिंग जिम्मेदारी दी है। मिडिल ऑर्डर में उन्होंने ईशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर को टीम में चुना है।

साथ ही तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज को सौंपी है। इसके अलावा स्पिन डिपार्टमेंट कुलदीप यादव, जडेजा और अक्षर पटेल संभालेंगे।

सौरव गांगुली ने विश्व कप के लिए चुनी अपनी पसंदीदा भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, ईशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर।

स्टार क्रिकेटर से मिलने के लिए पुलिस कर्मचारी भी हुए बेताब

नई दिल्ली,भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली) की फैन फॉलोइंग से हर कोई वाकिफ है। हर देश में किंग कोहली के चाहने वाले मौजूद हैं। वह जहां भी जाते है उनकी एक झलक पाने के लिए फैंस का जमावड़ा लग जाता है। हर फैन की बस एक मुराद होती है कि वह कोहली के संग एक सेल्फी ले सके। हालांकि, किंग कोहली भी फैंस का दिन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ते है, जिसके चलते उन पर जमकर प्यार लुटाया जाता है। ऐसा ही एक नजारा बेंगलुरु में भी देखने को मिला है, जहां वह एक यूनिवर्सिटी कैम्पस में नजर आ रहे है। इस दौरान कोहली–कोहली के नारे लगे और पुलिस कर्मचारी भी कोहली के साथ फोटो लेने के लिए काफी बेताब नजर आए। ये वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि बेंगलुरु में किंग कोहली (श्र१३ ड्ङ्क्ष्) के साथ एक तस्वीर क्लिक करवाने के लिए वहां तैनात सुरक्षाकर्मी अपने ड्यूटी को एक पल के लिए भूलकर कोहली के साथ तस्वीरें क्लिक कराने में खो गए। इससे ये साफ ही स्पष्ट होता है कि विराट कोहली की फैन फॉलोइंग बच्चे से लेकर बड़े अधिकारी तक हर कोई उन्हें काफी पसंद करता है।

यो–यो टेस्ट में विराट कोहली ने हासिल किए सबसे ज्यादा अंक

बता दें कि एशिया कप के लिए टीम इंडिया का कैम्प बेंगलुरु में शुरू हो चुका है। कैम्प के पहले दिन खिलाड़ियों का यो–यो टेस्ट हुआ, जिसमें कप्तान रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या, विराट कोहली सहित कई खिलाड़ियों ने टेस्ट पास किया। विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यो–यो टेस्ट की एक स्टोरी शेयर करते हुए लिखा था कि उन्होंने 17.2 अंक हासिल कर लिए हैं।

फिल्मी दुनियां

नेटफ्लिक्स ने किया खाकीः द बिहार चैप्टर के दूसरे भाग का ऐलान, टीजर जारी

पिछले साल ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई वेब सीरीज खाकीः द बिहार चैप्टर का दर्शकों और समीक्षकों द्वारा काफी सराहा गया था।दर्शक पिछले लंबे वक्त से खाकी के दूसरे भाग का इंतजार कर रहे थे, जो अब खत्म हो चुका है। दरअसल निर्माताओं ने खाकीः द बिहार चैप्टर 2 का ऐलान कर दिया है।इसके साथ खाकी 2 का टीजर भी सामने आ चुका है, जिसे सोशल मीडिया पर बेशुमार प्यार मिल रहा है।

नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर खाकीः द बिहार चैप्टर 2 का टीजर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, आप बुलाएं और हम ना आएं? कट्टा और कानून की कहानी के दूसरे पड़ाव के लिए खाकी की वापसी।नीरज पांडे द्वारा लिखित और निर्देशित इस सीरीज में करण टैकर, अविनाश तिवारी, अभिमन्यु सिंह, ब्रिजेश्वर सिंह जतिन सरना, रवि किशन, आशुतोष राणा और भरत झा अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।भाव धूलिया इसके निर्माता हैं। खाकी का दूसरा सीजऩ इस डील से बाहर होने वाली पहली सीरीज़ होगी।

फिल्म निर्माता और फ्राइडे फिल्मवर्क्स के संस्थापक नीरज ने एक बयान में कहा, नेटफ्लिक्स के साथ काम करना एक पुरस्कृत अनुभव रहा है जिसने असीमित संभावनाओं को खोल दिया है। कहानी कहने के लिए उनका जुनून मेरे दृष्टिकोण के साथ अच्छी तरह से मेल खाता है। अब तक हमारी एक साथ यात्रा अविश्वसनीय रही है और मैं मुझे विश्वास है कि हमारा विस्तारित सहयोग भारत के हृदय क्षेत्र से अधिक स्थानीय कहानियों को देश और विश्व स्तर पर व्यापक दर्शकों तक पहुंचाएगा। मैं अपने दर्शकों को उनके समर्थन और खाकी–द बिहार चैप्टर की सफलता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। . यह हमें और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है।

उपन्यास हॉरर फिल्म तंत्र से अनन्या नागल्ला का पहला लुक जारी किया गया!

श्रीनिवास गोपीसेट्टी द्वारा निर्देशित एक अनोखी हॉरर फिल्म तंत्र में प्रतिभाशाली अनन्या नागल्ला केंद्रीय भूमिका में हैं। हाल के वर्षों में मल्लेशम और वकील साब से प्रसिद्धि पाने वाली अभिनेत्री फिल्म में एक दुर्लभ किरदार निभा रही हैं। उनका फर्स्ट लुक मेकर्स ने जारी कर दिया है. हमें लगता है कि उसका चरित्र बुरी ताकतों द्वारा सताया गया है जो असाधारण अनुष्ठानों में पारंगत हैं। धनुष, जो बहुमुखी अभिनेता श्रीहरि के बेटे हैं, तंत्र के नायक हैं। मर्यादा रमन्ना फेम सलोनी एक और प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। तंत्र दर्शकों को भारत के अद्वितीय तंत्र शास्त्रों के महान रहस्यों का स्वाद चखाएगा। फर्स्ट कॉपी मूवीज, बी द वे फिल्म्स और वी फिल्म फैक्ट्री मिलकर इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। यह महिला–केंद्रित हॉरर मनोरंजन मूलतः तंत्र से संबंधित भारतीय पुराणों के अज्ञात पहलुओं के बारे में होगी।

ऋतिक रोशन ने शेयर की अपनी शर्टलेस तस्वीर, फिटनेस देख दंग रह गए सितारे

एक्टर ऋतिक रोशन बॉलीवुड के सबसे फिट एक्टर्स में से एक हैं और उन्होंने हमेशा अपनी फिटनेस बरकरार रखी है. बीते दिनों एक्टर अपनी कथित गर्लफ्रेंड सबा आज़ाद के साथ यूरोप में छुट्टियां मना रहे थे. साथ ही अब अपने वेकेश से लौटने के बाद एक्टर ने अपनी वेकेशन से पहले और बाद की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं. इन फोटोज में ऋतिक शर्टलेस अंदाज में दिखाई दे रहे हैं, जिसे देख उनके फैंस के होश उड गए. आपको बता दें कि, ऋतिक और सबा हाल ही में अपनी छोटे वेकशन के बाद मुंबई लौटे हैं. अपने फैंस को इंस्पायर करने के लिए, ऋतिक ने दो तस्वीरें पोस्ट कीं, एक अपने जिम से छुट्टी से पहले की और दूसरी उनके वेकेशन की, जहां वह एक

स्विमिंग पूल से बाहर निकल रहे हैं. ये तस्वीरें पोस्ट करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा, छुट्टियां खत्म. पेश है पहले और बाद की तस्वीरें. जिम में मिलते हैं.जैसे ही ये तस्वीरें इंटरनेट पर आउट हुआ लोगों ने ऋतिक के लिए पोस्ट पर कमेंट करना शुरू कर दिया. सबा ने कमेंट किया, बाद में!!!!! कृपया ज्यादा पनीर खायें.ऋतिक की पोस्ट पर सबसे मजेदार कमेंट एक्टर सुमीत व्यास की थी, जिन्होंने लिखा, एक सेकंड...तस्वीर 2 आकार से बाहर है? मैं छोड़ता हूं. पठान के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद, जिन्होंने वॉर में ऋतिक को निर्देशित किया है

कश्मीरा परदेशी हमेशा मानती थीं कि द फीलांसर में आलिया की भूमिका उनकी थी

अभिनेत्री कश्मीरा परदेशी को रोमांचक थ्रिलर द फ्रीलांसर में आलिया की भूमिका तब मिली जब उन्हें लगा कि उनकी संभावनाएं कम हैं। मोहित रैना द्वारा निर्देशित एक्सट्रैक्शन सीरीज़ में उन्होंने इस बारे में खुलासा किया है कि वह आलिया कैसे बनीं। उसी के बारे में बात करते हुए, कश्मीरा ने कहाः यह पिछले साल सितंबर की बात है, मैं केरल के अलेप्पी में एक हाउसबोट पर शूटिंग कर रही थी, जब शुभम सर ने पहली बार मुझे मैसेज किया और मुझे नीरज पांडे द्वारा निर्देशित शो हॉटस्टार स्पेशल के बारे में बताया और यह उनके लिए प्रमुख था। जब मैंने शुरुआत की, तो मैंने उन निर्देशकों की एक सूची बनाई जिनके साथ मैं काम करना चाहता था और वह मेरे चार्ट में शीर्ष पर थे। तो, जब मुझे अगले दिन तक ऑडिशन टेप भेजने के लिए कहा गया तो मैं स्पष्ट रूप से भाग गया। मुझे अगले दिन ही पता चला कि मुझे शॉर्टलिस्ट कर लिया गया है, लेकिन फिर लंबा इंतजार करना पड़ा, मुझे लगा कि ऐसा नहीं हो रहा है।

राजवीर देओल की दोनों की रिलीज तारीख का ऐलान, 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी फिल्म गदर 2 की सफलता का आनंद ले रहे हैं, वहीं अब उनके बेटे राजवीर देओल भी अभिनय की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं।राजवीर राजश्री की फिल्म दोनों का हिस्सा हैं, जिसमें उनकी जोड़ी पूनम ढिल्लों की बेटी पालोमा ढिल्लों के साथ बनी है। फिल्म के टीजर और गाने को लोगों ने भरपूर प्यार दिया है और अब इसकी रिलीज तारीख का भी ऐलान हो गया है।राजश्री और जियो स्टूडियो की ओर से ट्विटर पर फिल्म का पोस्टर साझा कर रिलीज तारीख की घोषणा की गई है।पोस्टर में राजवीर और पालोमा मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं, वहीं इसके साथ लिखा है, दोनों आ रहे हैं आपसे मिलने 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों में।मालूम हो कि इस फिल्म से राजवीर और पालोमा ही नहीं, सूरज बडज़ात्या के बेटे अवनीश एस बडज़ात्या भी निर्देशन की

दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं।दोनों की कहानी रोमांस और ड्रामे से भरपूर होगी, जिसमें एक शादी के दौरान दुल्हन के दोस्त देव (राजवीर) की मुलाकात दूल्हे की दोस्त मेघना (पालोमा) से होती है। इसके बाद शादी के बीच में ही इन 2 अजनबियों के बीच एक प्यार की शुरुआत होती है। दोनों का यह सफर दिल छू लेने वाला है, जिसमें उनकी मंजिल एक ही है।दरअसल, दोनों एक शहरी कहानी है, जो दो लोगों के बीच रोमांस और रिश्तों का जश्न मनाती है।दोनों 1989 में आई फिल्म मैंने प्यार किया का इतिहास दोहराएगी, जिससे राजश्री के नए निर्देशक सूरज ने दो नए चेहरों को लॉन्च किया था।दोनों राजश्री के लिए खास है क्योंकि इससे परिवार की अगली पीढ़ी निर्देशन क्षेत्र में प्रवेश कर रही है।अवनीश एक निर्देशक के रूप में राजश्री की 59वीं फिल्म का निर्देशन करेंगे।इससे पहले वह प्रेम रतन धन पायो (2015) में सहायक निर्देशक और उंचाई (2022) में एसोसिएट निर्देशक के रूप में काम किया है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com